तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 35 अंक 300 | कोरबा, मंगलवार, दिनांक 30 जुलाई 2024 डाक 31 जुलाई 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
आम आदमी पार्टी के विधायक और नेताओं ने नई दिल्ली में एमसीडी कमिश्नर को तत्काल निलंबित करने की मांग को लेकर एलजी हाउस के बाहर धरना दिया

देश-विदेश
केरल के वायनाड में भूस्खलन से तबाही, अब तक आठ लोगों की मौत, मलबे में दबे सैकड़ों लोग

फीचर पेज
जिम जाते हैं, लेकिन प्रोटीन डाइट नहीं लेते... जानें ऐसा करने पर क्या होता है

वायनाड में भूस्खलन से भारी तबाही, 49 की मौत, सैकड़ों के फंसे होने की आशंका, अब सेना ने संभाला मोर्चा

वायनाड, 30 जुलाई [एजेंसी]।

केरल के वायनाड जिले में मेप्पाडी के पास पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की खबर है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण अबतक 49 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 घायल हुए हैं। वहीं सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। स्थानीय आपदा मोचन बल के जवान राहत और बचाव कार्य चला रहे हैं। बारिश के कारण कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वायनाड में हुए भूस्खलन पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, आज सुबह एक प्राकृतिक हादसे के कारण वायनाड में बड़ी क्षति पहुंची है। अभी तक सूचना के हिसाब से बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी जान गंवाई है और कई लोग घायल हुए हैं। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं...घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री से बातचीत की है और केंद्र सरकार पूरी तरीके से केरल के लोगों के साथ है, जो भी आवश्यकता होगी केंद्र सरकार पूरी तरीके से उनकी मदद करेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से बात की और उन्हें भूस्खलन प्रभावित केरल के वायनाड में सहायता और बचाव के लिए सेना को तैनात करने को कहा। सेना की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। वायनाड में भारी बारिश और भूस्खलन पर केरल की मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा, हम अपने लोगों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हमें विभिन्न अस्पतालों से 49 शव मिले हैं। करीब 100 लोग घायल भी हैं। हमने घायलों का इलाज सुनिश्चित किया है। एनडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें वहां मौजूद हैं। नौसेना की एक टीम भी जल्द ही वहां पहुंचेगी। इलाके का एक पुल भी बह गया है।

सीपीआई सांसद ने कहा, कुछ निजी कंपनियां भी हैं, जो राज्य सरकारें इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार हैं क्योंकि वे रास्ते और सड़कें बनाने के लिए अपनी एक इंच भूमि भी देने को तैयार नहीं हैं। तो आपके पास केवल पुल हैं। इसलिए, यदि पुल ढह जाते हैं, तो आप कुछ नहीं कर सकते। इसलिए, वायनाड में हुई इस त्रासदी के लिए ये लालची लोग भी जिम्मेदार हैं। संतोष कुमार ने आगे कहा, 2019 में भी इस तरह का भूकंप आया था और संबंधित मुद्दे थे लेकिन इस साल यह हैरान करने वाला है, पिछले साल से कोई तुलना नहीं है। वायनाड और विशेष रूप से यह क्षेत्र काफी खतरा भरा है। केरल समग्र रूप से पारिस्थितिकीय रूप से बहुत संवेदनशील स्थान बन गया है। मैं नहीं जानता कि क्या होने जा रहा है। सरकार लोगों को बचाने में जुटी है। सभी राजनीतिक दलों के नेता केवल वहां हैं। हम भी उनके संपर्क में हैं। मुझे उम्मीद है कि हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचा सकते हैं। दुख की इस घड़ी में हम सभी वायनाड के साथ खड़े हैं। मैं भी लगातार उनके संपर्क में हूं।वायनाड भूस्खलन पर सीपीआई सांसद पी संतोष कुमार ने कहा, बचाव कार्य भी लगातार मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए, मंत्रियों की एक टीम, जिसमें पांच मंत्री शामिल हैं, वायनाड जा रहे हैं। हम अन्य सभी बलों आरपीएफ, एयरलिफ्टिंग टीम के साथ समन्वय करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, इन लोगों को बचाने के लिए एक संयुक्त प्रयास किया जा रहा है।

भारतीय सेना ने बताया कि केरल के वायनाड में मेप्पाडी में भूस्खलन हुआ है। सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। नागरिक प्रशासन की सहायता करने के लिए आज सुबह सेना से अनुरोध किया गया। जवाब में, सेना ने चार कॉलम जुटाए हैं, जिनमें दो कॉलम एक्स 122 इन्फेंट्री बटालियन (टेरिटोरियल आर्मी) और दो पूर्व डीएससी सेंटर, कन्नूर शामिल हैं। बचाव अभियान के लिए अब तक तैनात सेना की कुल संख्या चिकित्सा कर्मियों सहित लगभग 225 है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, केरल के वायनाड में भूस्खलन की घटनाओं से बहुत चिंतित हूं। एनडीआरएफ युद्ध स्तर पर खोज और बचाव अभियान चला रहा है...मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। वायनाड में हुए भूस्खलन पर केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने कहा, सुबह से ही प्रधानमंत्री सक्रिय थे, वे हर चीज पर नजर रख रहे थे। वे स्थिति का जायजा ले रहे थे और उन्होंने तुरंत बचाव कार्य के लिए फोर्स, एनडीआरएफ को वहां पहुंचने का निर्देश दिया। सभी बलों को सतर्क कर दिया गया है। यह एक पहाड़ी इलाका है और समस्या यह है कि वहां पहुंचना बहुत मुश्किल है, हेलीकॉप्टर और अन्य मदद की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री से बात की है, हम मिलकर बचाव कार्य करेंगे। पीएम मोदी ने केरल के सीएम पिनाराई विजयन से बात की और केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने मौजूदा स्थिति के बारे में केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से भी बात की। प्रधानमंत्री ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी बात की और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राहत प्रयासों में सहायता के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, वह करें।

मालगाड़ी से टकराने के बाद हावड़ा-मुंबई मेल की 20 बोगियां पटरी से उतरीं 2 की मौत

ममता बनर्जी ने सरकार पर साधा निशाना

रांची, 30 जुलाई [एजेंसी]।

झारखंड के सरायकेला में मालगाड़ी से टकराकर हावड़ा-मुंबई मेल (12810) दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा मंगलवार तड़के 3.43 बजे हुआ। टक्कर के बाद यात्री ट्रेन के 20 डिब्बे पटरी से उतर गए। अब तक दर्जनों यात्रियों के घायल होने की सूचना है। 2 यात्रियों के शव निकाले गए हैं। हादसा झारखंड के चक्रधरपुर रेल मंडल में बड़ाबंबू के पास हुआ है। सूचना मिलते ही राहत तथा बचाव दल को मौके पर रवाना किया गया। हादसे के समय अधिकांश यात्री नींद में थे। टक्कर के बाद चीख पुकार मच गई। सबसे सबसे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लोगों को निकालना शुरू किया। इसके कारण एक-एक कर 20 बोगियां पटरी से उतर गईं और चीख-पुकार मच गई।

'एक और विनाशकारी रेल दुर्घटना। हावड़ा-मुंबई मेल आज सुबह झारखंड के चक्रधरपुर डिवीजन में पटरी से उतर गई। तड़के हुए इस भीषण रेल दुर्घटना पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा, एक और भयानक रेल दुर्घटना! झारखंड के चक्रधरपुर डिवीजन में आज सुबह हावड़ा-मुंबई मेल पटरी से उतर गई, कई मौतें और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। मैं गंभीरता से पूछती हूं। क्या यही शासन व्यवस्था है। उन्होंने आगे कहा, लगभग हर हफ्ते दुःस्वप्नों की यह श्रृंखला, रेल पटरियों पर मौतों और घायलों का यह अंतहीन सिलसिला हम इसे कब तक बर्दाश्त करेंगे। क्या भारत सरकार की बेरुखी का कोई अंत नहीं होगा! मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं, और परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। हादसे के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे के टाटानगर-चक्रधरपुर खंड पर रेल परिचालन पूरी तरह ठप हो गया है। कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों का मार्ग बदला गया है। रेलवे अधिकारी पटरी की मरम्मत और ट्रेन परिचालन बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। हेल्पलाइन नंबर जारी टाटानगरः 0657-2290324, 73523 चक्रधरपुरः 06587-238072, 72770 राउरकेलाः 0661-2501072, 0661-2500244, 0661-2500191, 0661-2500171 झारसुगुड़ाः 06645-272530

सोमनाथ एक्सप्रेस में बम होने की सूचना फिरोजपुर में रोकी गई ट्रेन, अफरा-तफरी मची

__फिरोजपुर।__ जम्मू से जोधपुर जाने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस गाड़ी नंबर 9226 में बम की सूचना मिली। सुरक्षा के तहत गाड़ी को कासु बेगू रेलवे स्टेशन पर रोका गया। पुलिस बल ट्रेन की चेकिंग के लिए बुलाया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। कासु बेगू रेलवे स्टेशन पर पहुंची सारी गाड़ी खाली करवा दी गई हैं। साथ ही सभी ट्रेनों की चेकिंग भी की जा रही है। जम्मू से जोधपुर जाते समय जैसे ही फिरोजपुर रेलवे स्टेशन गाड़ी ने क्रॉस किया तभी कंट्रोल रूम पर सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट मिलने के बाद गाड़ी को रोका गया। अभी जांच जारी है कोई भी आपत्तिजनक चीज अभी नहीं मिली है लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी प्रकार की रिस्क लेने को तैयार नहीं है।

मंत्री को खराब पनीर बांट दिए डेयरी संचालक को नोटिस जारी

मनेंद्रगढ़ । स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल दो दिन पहले मनेंद्रगढ़ दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मनेंद्रगढ़ में विधायक कार्यालय का उद्घाटन किया और कई अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए। वहीं, मनेंद्रगढ़ प्रवास के दौरान स्वास्थ्य मंत्री को लाई गई पनीर की क्वालिटी खराब मिली।

मामला सामने आने के बाद बवाल मचा हुआ है। वहीं, पनीर की जांच के लिए सेंपल रायपुर भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार श्याम बिहारी जायसवाल के दौरे के दौरान उनके लिए खाने में पनीर की व्यवस्था की गई थी, लेकिन जब पनीर को काटा गया तो खराब निकला। हालांकि खराब पनीर स्वास्थ्य मंत्री को परोसी नहीं गई। बताया गया कि खराब पनीर श्रीराम डेयरी से लाई गई थी।

मेरठ सहित कई जिलों में 13 कांवड़ियों की मौत नाराज कांवड़ यात्रियों ने जमकर किया बवाल

आगरा 30 जुलाई। सावन के दूसरे सोमवार को कई जगहों पर हुए हादसों में 13 कांवड़ियों की मौत हो गई। इसके अलावा कांवड़ खंडित या हादसों में घायल होने से नाराज कांवड़ियों ने जमकर बवाल किया। ब्रज क्षेत्र के अंतर्गत कासगंज में दो कांवड़ियों की हादसे और एक की हार्टअटैक से जान चली गई। आगरा में वाहन की टक्कर से दो की जान चली गई। मेरठ के दौलताबाद में गर्मी से बुलंदशहर के कांवड़िये की मौत हो गई। सुभारती विश्वविद्यालय के पास एक कांवड़िये की हादसे में जान चली गई। बुढ़ाना में कांवड़ सेवा शिविर में आराम कर रहे किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, बदायूं के उझानी क्षेत्र में रात दो बाइकों की टक्कर में घायल तीन और कांवड़ियों की मौत हो गई। दूसरी बाइक पर सवार एक कांवड़िये की मौके पर ही मौत हो गई थी। प्रतापगढ़ में भी एक कांवड़िये की हादसे में जान चली गई। मैनपुरी में टक्कर से तीन कांवड़ियों के घायल होने पर साथियों ने बस पर पथराव कर दिया। आगरा में बाईपास पर बाइक ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई जिसमें एक कांवड़िया के घायल होने पर साथियों ने चालक को पीट दिया।

भोपाल के बैरसिया क्षेत्र में तालाब में डूबे 3 बच्चे एक का शव रात को, दो के सुबह निकाले गए

भोपाल, 30 जुलाई ।

बैरसिया थाना क्षेत्र के ललरिया गांव में तालाब में तीन बच्चे डूब गए।घटना का पता चलते ही पुलिस, प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू कर दी थी। इस दौरान एक बच्चे का शव तालाब से निकाल लिया गया था। दो बच्चों के शव सुबह निकाले गए। इससे स्वजनों ने पुलिस को सूचना दे दी थी। इससे पुलिस टीम और गोताखोर मौके पर पहुंचे और बच्चों की तलाश शुरू कर दी थी। इस दौरान एक बच्चे का शव तालाब से बाहर निकाल लिया गया था। जबकि देर रात साढ़े 11 बजे तक दो बच्चों की तलाश करने रेस्क्यू जारी था। बच्चों के नाम राज, नीलेश और एहतेशाम बताए जा रहे हैं। रात को राज अहिरवार का शव मिला जबकि नीलेश और एहतेशाम का शव सुबह निकाला गया।

छत्तीसगढ़ में 15 साल बाद फिर से शुरू होगी पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा, साय सरकार जल्द करेगी लागू

रायपुर, 30 जुलाई [एजेंसी]।

स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने व कसावट लाने के लिए छत्तीसगढ़ में 15 साल बाद एक बार फिर पांचवीं-आठवीं बोर्ड परीक्षा शुरू होगी। इसके लिए राज्य सरकार जल्द ही मंजूरी देगी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 यानी आरटीई के लागू होने के बाद बोर्ड परीक्षा की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया था।इस अधिनियम में प्रविधान था कि किसी भी परीक्षार्थी को पास या फेल नहीं कर सकते हैं। आठवीं तक बच्चों को किसी भी कक्षा में नहीं रोकना है। अगर बच्चे कमजोर हैं तो उनको रेमेडियल टीचिंग दी जानी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस व्यवस्था से स्कूली शिक्षा में अनुशासित शिक्षा नहीं होने से इसका विपरीत

असर पड़ा है। कुछ निजी और माडल स्कूलों में रेमेडियल टीचिंग (कमजोर बच्चों का शिक्षण) होने से शिक्षा व्यवस्था ठीक है मगर ज्यादातर सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को नुकसान हुआ है। लिहाजा, परीक्षा की व्यवस्था में बदलाव करने के लिए विशेषज्ञों की सलाह पर लोक शिक्षण संचालनालय ने काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि परीक्षा लेने के बाद बच्चों को पास या फेल करने को लेकर अभी निर्णय नहीं लिया गया है। पहले पांचवीं-आठवीं की परीक्षा जिला शिक्षा अधिकारी परीक्षा कराते थे। पांचवीं के लिए जिला प्राथमिक बोर्ड परीक्षा और आठवीं के लिए संभागीय पूर्व माध्यमिक बोर्ड परीक्षा होती थी।

जब पांचवीं-आठवीं की परीक्षा होती थी तब प्रदेश में संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय नहीं हुआ करते थे।अब प्रदेश में संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय होने से इन परीक्षाओं की जिम्मेदारी बड़े अधिकारियों को मिल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार अब बोर्ड परीक्षा की व्यवस्था करने से अभिभावक और शिक्षक भी सतर्क हो जाएंगे। कापियां एक-दूसरे स्कूल में जांची जाएगी।

मनी लॉड्रिंग मामले में एनसीपी नेता नवाब मलिक को मिली जमानत, सुप्रीम कोर्ट ने बीमारी को माना आधार

नईदिल्ली, 30 जुलाई ।

मनी लॉड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी बीमारी को आधार मानते हुए जमानत मंजूर की है। ईडी ने गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मनी लॉड्रिंग मामले में मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था। मलिक ने यह कहते हुए उच्च न्यायालय से राहत मांगी थी कि वह कई अन्य बीमारियों के अलावा किडनी रोग से पीड़ित हैं।

4.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से थर्राया

अमेरिका। कैलिफोर्निया में 4.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के बाद के झटके लॉस एंजिल्स में भी महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बैरस्टो के पास था। इस तीव्रता के भूकंप ने कैलिफोर्निया के लोगों को चिंता में डाल दिया। भूकंप खत्म होने के बाद भी झटके लंबे समय तक महसूस किए जाते रहे।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

कुल्लू में बादल फटने से तबाही... बह गया पुल घरों में भरा बाढ़ का पानी, भारी बारिश का अलर्ट

कुल्लू, 30 जुलाई [एजेंसी]।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के मणिकर्ण घाटी के तोष में देर रात बादल फट गया। बादल फटने से यहां पर भारी तबाही मची है। बाढ़ में एक पुल बह गया है। घरों में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। देर रात बादल फटने के बाद यहां पर अफरा तफरी मच गई। लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। फिलहाल तोष का संपर्क कट गया है। उधर, सोलंग घाटी के पलचान से सटे सरेही नाला का जलस्तर फिर बढ़ा गया है। नाले का पानी सड़क से बहने लगा। इस वजह से मनाली-लेह मार्ग यातायात के लिए फिर बंद हो गया है। वहीं पलचान गांव के ग्रामीणों अभी भी सहमे हुए हैं। कुछ दिन पहले बदल फटने की घटना से गांव के तीन मकान बह गए हैं, जबकि पांच मकानों को खतरा पैदा हो गया है। एसडीएम रमण कुमार शर्मा ने बताया कि पानी बढ़ने से मनाली-लेह मार्ग बंद हो गया है।

वहीं, प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश के आसार हैं। 31 जुलाई और एक अगस्त को अधिकांश क्षेत्रों में भारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इस दौरान प्रदेश के पांच जिलों कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला, किन्नौर के कुछ क्षेत्रों में भूस्खलन और बाढ़ आने की चेतावनी भी जारी हुई है। हिमाचल में 117 सड़कें और 215 बिजली ट्रांसफार्मर ठप रहे। राजधानी शिमला में हल्के बादल छाए रहने के साथ बूंदाबांदी हुई। धर्मशाला, कांगड़ा और हमीरपुर में भी हल्की बारिश ही हुई। रात धर्मशाला, देहरा, सोलन, नाहन और शिमला में बादल झमाझम बरसे। प्रदेश में चार अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। शाम तक प्रदेश में 117 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप रही।

शिमला जोन में रामपुर में 37, शिमला में 20, सोलन-नाहन और रोहडू में एक-एक सड़क बंद रही। मंडी जोन में मंडी में 20, कुल्लू और जोगिंद्रनगर में 7-7, हमीरपुर जोन के तहत धर्मपुर में 8, कांगड़ा जोन में डलहौजी में 9, नूरपुर में 3 और पालमपुर में 1 सड़क बंद रही। इसके अलावा प्रदेश में 215 बिजली ट्रांसफार्मर भी ठप हो गए हैं। जिला चंबा में 108, मंडी में 80, शिमला में 22 और लाहौल-स्पीति में 5 ट्रांसफार्मर ठप रहने से कई क्षेत्रों में बिजली सप्लाई प्रभावित रही। ऊना में 24.0, नाहन-मंडी में 25.1, सोलन में 20.6, मनाली में 19.6, कांगड़ा में 22.4, बिलासपुर में 25.0, हमीरपुर में 26.7 और चंबा में 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

जनचौपाल में चांदनी की समस्या का हुआ समाधान, अब आगे की पढ़ाई होगी आसान

कोरबा । सर मैं आगे पढ़ना चाहती हूं, कृपया मेरा किसी विद्यालय में दाखिला करा कर हॉस्टल में रहने की व्यवस्था करा दीजिए। उक्त बातें कलेक्टर श्री अजीत वसंत के समक्ष आज जनचौपाल में 15 वर्षीय कुमारी चांदनी लोहार ने कही। कलेक्टर ने चांदनी की समस्या को गम्भीरता से लेते हुए तत्काल उसका विद्यालय में एडमिशन कराने एवं हॉस्टल में रहने की व्यवस्था करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग को निर्देशित किया।

कोरबा शहर के इमलीडुग्गु की रहने वाली चांदनी ने बताया कि वह 8वीं पास है। उसकी मां का निधन हो गया है एवं पारिवारिक समस्याओं के कारण वह आगे की पढ़ाई जारी नही कर पा रही है। चांदनी आगे पढ़कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती है। इस हेतु उसके द्वारा कलेक्टर जनचौपाल में आवेदन किया गया। कलेक्टर ने चांदनी का शहर के किसी शासकीय विद्यालय में तत्काल कक्षा 9वीं में प्रवेश दिलाकर कन्या छात्रावास में रहने की व्यवस्था करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उसके पढ़ाई हेतु अन्य आवश्यकताओं की भी पूर्ति करने की बात कही। जिला कार्यालय में आयोजित हुए कलेक्टर जनचौपाल में आज कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने जिले के दूरस्थ क्षेत्रो से आए आम लोगों की समस्याओं, शिकायतों को गंभीरता से सुनकर अधिकारियों को निराकरण करने हेतु निर्देशित किया।

जनचौपाल में दीपका कॉलोनी के रहने वाले श्री लिम्बेश्वर साहू द्वारा ग्राम झाबर में विधिवत क्रय की हुई भूमि पटवारी हल्का नंबर 49 के खसरा नंबर 36, रकबा 0.40 एकड़ व खसरा 279/1 रकबा 4.33 एकड़ कुल 4.73 एकड़ भूमि पर कब्जा दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। लिम्बेश्वर साहू ने बताया कि उक्त भूमि पर एक अन्य पक्ष द्वारा अनावश्यक हस्तक्षेप करते हुए बलपूर्वक कब्जा किया गया है। जिसका कब्जा हटाने का आदेश पूर्व में ही तहसीलदार दीपका एवं एसडीएम कटघोरा द्वारा जारी किया गया है। परन्तु दूसरे पक्ष द्वारा अब भी उक्त जमीन से कब्जा नही हटाया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा दीपका तहसीलदार को जल्द से जल्द उक्त भूमि पर से कब्जा हटवाकर कर लिम्बेश्वर को काबिज कराने हेतु निर्देशित किया गया।

हरदीबाजार निवासी भवानी सिंह नेताम द्वारा शासकीय योजना से सुअर पालन हेतु सहायता का आवेदन दिया गया। कलेक्टर द्वारा पशु पालन विभाग को आवेदक के यहां विभागीय योजनांतर्गत पशु शेड निर्माण कराने की बात कही गई।

माखूरपानी पंचायत के आश्रित ग्राम बोकली भादा का रहने वाला व बतरा हाई स्कूल में नियमित कर्मचारी के रूप में पदस्थ पहाड़ी कोरवा युवक श्रीराम ने अपने माता पिता के स्वास्थ्य समस्या की जानकारी देते हुए उनकी उचित देखभाल हेतु अपना स्थानांतरण सतरेंगा हाई स्कूल कराने का आवेदन कलेक्टर को दिया। इसी प्रकार गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली कदमझरिया निवासी 8वीं पास पहाड़ी कोरवा महिला दुलारी बाई ने अपने जीविकोपार्जन हेतु आश्रम छात्रावास में योग्यतानुसार रोजगार दिलाने का आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी व सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग को उपरोक्त दोनों आवेदनों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर जन चौपाल में आज अलग-अलग समस्याओं के निराकरण हेतु कुल 63 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्रकरणों के अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए यथाशीघ्र नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण प्रकरणों को समय सीमा में दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री दिनेश नाग, सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग श्री श्रीकांत कसेर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी पी उपाध्याय, समाज कल्याण, खाद्य, कृषि सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

चिरायु टीम द्वारा आंगनबाड़ी व स्कूलों में जाकर बच्चों का किया जा रहा स्वास्थ्य परीक्षण

कोरबा । चिरायु योजना (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात हृदय रोग, मोतियाबिन्द, कटे-फटे होठ, टेढ़े-मेड़े हाथ पैर सहित 44 गंभीर बिमारियों के इलाज शासन द्वारा कराया जाता है। योजनांतर्गत समय रहते उपचार हो जाने से मरीज की स्थिती और अधिक नहीं बिगड़ती और साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को इलाज और जॉच में अधिक व्यय नहीं करना पड़ता है।मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में चिरायु योजना निचले तबके से आने वाले बच्चों के लिए वरदान है। जिन बिमार बच्चों के अभिभावक उनका बेहतर ईलाज नहीं करा पाते हैं उनके लिए यह योजना बेहद कारगर है। आंगनबाड़ी केन्द्रों और हाई स्कूल में अध्ययनरत बच्चों का इस योजना के अंतर्गत नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर गंभीर बिमारियों से ग्रसित होने पर अस्पतालों में नि:शुल्क इलाज की सुविधा इस योजना में शामिल है। उन्होने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत कोरबा जिले में 12 टीमें कार्य कर रही हैं। जिसमें एक टीम में 02 मेडिकल ऑफिसर, 01 फार्मासिस्ट, 01 ए.एन.एम. तथा एक लैब टेक्नीशियन शामिल है। इन टीमों के द्वारा जिले के समस्त शासकीय स्कूलों में वर्ष में एक बार व ऑगनबाड़ी में वर्ष में दो बार बालक-बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार किया जाता है तथा ऐसे बच्चे जिन्हे गंभीर बिमारी होती है उन बच्चो को चिन्हांकन कर उनके उपचार हेतु जिला स्तर पर निजि चिकित्सालय के द्वारा लगाये गए शिविर माध्यम से बच्चे कि बिमारी को सुनिश्चित किया जाता है। साथ ही चिरायु दिवस में शासकीय अस्पताल में हृदय रोग, जन्मजात विकृति कुपोषण, विकास संबंधी अवरोध, अस्थि रोग, कटे-फटे होठ एवं तालु, प्लास्टिक सर्जरी व अन्य जटिल रोगों का उपचार किया जाता है।इस कार्यक्रम के तहत जिले में अब तक कुल 36,787 चिन्हांकित बच्चों में से 36,067 बच्चों का उपचार किया गया है। साथ ही सामान्य बीमारियों से ग्रसित बच्चों का भी इलाज कर नि:शुल्क दवा दी गई है। चिरायु योजना में न सिर्फ गंभीर बीमारियों का उपचार किया जाता है बल्कि कुपोषण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी प्रयास है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं सीएमएचओ ने जिले के उपरोक्त बीमारियों से ग्रसित बच्चों के अभिभावकों से ऐसे बच्चों का नि:शुल्क जाँच व इलाज हेतु स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर मुफ्त उपचार प्राप्त करने की अपील की है।

पीजी कॉलेज में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

कोरबा। शासकीय इंजीनियर विश्वेसरैया स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा 25वां कारगिल विजय दिवस पर शहीद अजय यादव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूरे देश के जांबाज शहीदों को नमन किया गया। संस्था प्राचार्य डॉ.साधना खरे ने कहा कि यह दिन उन सैनिकों की बहादुरी को समर्पित है, जिन्होंने भारत को जीत दिलायी थी, साथ ही यह उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का दिन है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। कारगिल की लड़ाई को भारतीय सेना के द्वारा लड़ी गई सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक माना जाता है। डॉ. खरे ने समस्त स्टॉफ और छात्रों को सुसंस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण तथा देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु पंच प्रण शपथ भी दिलाया। इस अवसर पर कॉलेज कैंपस में राष्ट्रीय सेवा योजना और इको क्लब के संयुक्त आयोजन व्यवस्था में 'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत नीम, आंवला, कटहल, अमरूद, करौंदा इत्यादि के 25 पौधे लगाए। साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से एनएसएस वाटिका का साफ सफाई और गाजर घास उन्मूलन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन, समन्वय एवं आयोजन व्यवस्था अजय कुमार पटेल, कार्यक्रम अधिकारी रासेयो, सुशील कुमार अग्रवाल प्रभारी इको क्लब व मधु कंवर कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय भैंसमा के प्राचार्य डॉ.जे.एल.चौहान, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ.आर.बी.शर्मा, डॉ.बी.एल.साय, ए.के.श्रीवास, धनेश्वरी दुबे, डॉ.बी.एस.राव स्पोर्ट्स ऑफिसर, पूर्णिमा साहू, ऋतु सिन्हा, अमोला कोर्राम, अवंतिका कौशिल, डॉ.संदीप शुक्ला, बलराम कुर्रे, डॉ.ज्योति राठौर, सुशील कुमार गुप्ता, रमेश कुमार मौर्य, राजकुमार राठौर, श्याम सुंदर तिवारी, कन्हैया सिंह कंवर, शुभम ढोरिया, दीपक सिंह टेकाम लाइब्रेरियन, अतिथि व्याख्याता में रमन जोशी, रोशन पांडेय, ज्योति यादव, रविकांत, सिद्धार्थ स्वरूप बघेल, श्रद्धा सिंह सहित एनएसएस, एनसीसी व स्पोर्ट्स के वालंटियर्स ऋचा स्वर्णकार, कंचन कश्यप, वर्षा नेताम,सविता बिंझवार, मनीष यादव, शारदा साहू, मुस्कान बंजारे इत्यादि ने महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान दिया।

ट्रांसफार्मर को खुला छोड़ा बढ़ा खतरा

कोरबा। कोरबा अंचल में 29 जुलाई को शाम के वक्त शहर के डीडीएम रोड स्थित स्वामी विवेकानंद मार्ग में घटना हो गई जिसमें एक मवेशी बाल-बाल बच गया। यहां के रहवासियों ने कई बार बिजली अधिकारियों को इसके सुधार के लिए निवेदन किया है, किंतु उनका कहना है की चिंता की कोई बात नहीं है।

जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न स्थानों खासकर आवाजाही वाले क्षेत्रों में बिजली के तार अक्सर आतिशबाजियां करते रहते हैं। इस तरह की घटनाएं हाल-फिलहाल शहर क्षेत्र में सामने आ चुकी हैं लेकिन इसके बावजूद खुले और लटके विद्युत तारों को सहेजने की जहमत प्राय: सभी मामलों में नहीं उठाई जा रही है। इसके कारण इन खुले ट्रांसफार्मर और विद्युत बॉक्स के आसपास विचरण करने वाले लोगों की जान पर खतरा भी मंडराता रहता है। मवेशियों के साथ तो अक्सर ऐसे हादसे होते रहते हैं कि वह भोजन की तलाश में करंट से खेल जाते हैं।

दूसरी तरफ क्षेत्र में घूमते भिक्षुकों/विक्षिप्तों के अलावा कचरा से जीवन यापन/जरूरत का सामान तलाशने वालों के द्वारा भी इर्द-गिर्द चक्कर काटा जाता है। चूंकि कई स्थानों पर विद्युत ट्रांसफार्मर के खम्भों के पास ही कचरा फेंक जाते हैं तो ऐसे में वहां तक जाने के चक्कर में इनकी जान पर खतरा बना रहता है। शहर ही नहीं उपनगरीय और ग्रामीण अंचलों में भी में ट्रांसफार्मर खुला पड़ा रहता है। तार जमीन को छू रहे होते हैं।

पूर्व में स्वीकृत कार्यों को पूर्ण कराने के पश्चात् ही डीएमएफ से नए कार्यों की मिलेगी स्वीकृति

कोरबा । कलेक्टर अजीत वसंत ने डीएमएफ अंतर्गत ग्राम पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 31 जुलाई 2023 से पूर्व ग्राम पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के पश्चात् ही डीएमएफ से ग्राम पंचायतों में नए कार्य देने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जिन ग्राम पंचायतों में डीएमएफ के कार्य अंतर्गत राशि वसूली की कार्यवाही लंबित है, ऐसे ग्राम पंचायतों में राशि वसूली की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् ही कार्य स्वीकृत किए जाएंगे।

शिविर में दूर हो रही आमजनों की समस्याएं :लखन

कोरबा । प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जनता जनार्दन की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ त्वरित निराकरण करना, जनसमस्या निवारण शिविरों का प्रमुख उद्देश्य है, वार्डो में पहुंचकर प्रशासन आमजनता की समस्याओं का निराकरण कर रहा है, लोगों की समस्याएं दूर हो रही है, यह प्रसन्नता का विषय है। उन्होने कहा कि आमजनता की तकलीफों को समझ कर नगरीय निकाय क्षेत्रों में जनसमस्या निवारण पखवाडों के आयोजन हेतु प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव का आभार प्रकट करता हूँ, बधाई देता हूँ।उक्त कथन उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 51 सरदार पटेलनगर जमनीपाली स्थित कबीर भवन में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के मुख्य आतिथ्य की आसंदी से कही। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत निगम द्वारा 27 जुलाई से 10 अगस्त वार्डो में क्रमश: जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, वार्ड क्र. 51 स्थित कबीर भवन में आयोजित शिविर में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दी, लोगों की समस्याएं सुनी, उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए, हितग्राहियों को राशन कार्ड व श्रद्धांजलि योजना के चेक प्रदान किए।इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने समाज के सभी वर्ग के लिए दर्जनों योजनाएं क्रियान्वित की हैं, उन्हीं के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दिशा-निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर इनका लाभ लोगों तक पहुंचाया जा रहा है, उन्होने कहा कि जनसमस्या निवारण पखवाडे के इस आयोजन से आमजनता की छोटी-बड़ी समस्याएं त्वरित रूप से दूर की जा रही है, उन्हें अपनी समस्याओं के लिए निगम कार्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा, उनके वार्ड एवं बस्तियों में ही समस्याओं की जानकारी ली जा रही है, त्वरित रूप से समस्याएं दूर हो रही हैं, जो प्रसन्नता का विषय है।इस मौके पर आयुक्त सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों के दौरान प्राप्त आवेदनों व शिकायतों का त्वरित निराकरण करने का हर संभव प्रयास हो रहा है तथा स्ट्रीट लाईट, साफ-सफाई, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों व समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा रहा है, उन्होने कहा कि सड़क, नाली, मरम्मत व निर्माण से संबंधित मांग पर भी निगम द्वारा प्रक्रिया के तहत त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।इस अवसर पर पार्षद बुधवारसाय यादव, नरेन्द्र देवांगन, फिरतराम साहू, निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, दर्री तहसीलदार, उपायुक्त पवन वर्मा, जोन कमिश्नर ए.के. शर्मा, मंडल अध्यक्ष ईश्वर चन्द्रा, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, आर.डी. सिंह, सुबोध शुक्ला, मनोज लहरे, अजीत मंडल, गजाधर यादव, ललन सिंह, आशीष अग्रवाल, भरत अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, घनश्याम श्रीवास, मनीष सिंह, सुशील सोनी, योगेश राठौर आदि के साथ काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि निगम क्षेत्र के विकास के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, उन्होने कहा कि जिला खनिज न्यास मद, अधोसंरचना मद सहित अन्य विभिन्न मदों में पर्याप्त राशि की स्वीकृति प्रदान की जा रही है तथा विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि निगम क्षेत्र का कोई भी वार्ड विकास से अछूता न रहे, जनता जनार्दन की इच्छा व मांग के अनुरूप वहाँ पर सभी विकास हों। उन्होने बताया कि दर्री के अयोध्यापुरी तालाब विस्तार हेतु 25 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है, वहीं इंडोर स्टेडियम, स्वीमिंग पूल मरम्मत, स्टेडियम नवीनीकरण सहित अन्य विभिन्न कार्यो हेतु राशि स्वीकृत की गई है, वहीं निगम के सभी वार्डो में विकास कार्यो हेतु राशि की स्वीकृति दी जा रही है।

पखवाड़े के दूसरे दिन निगम के 07 वार्डो में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए, वार्ड क्र. 12 में आयोजित शिविर के दौरान सभापति एवं वार्ड के पार्षद श्यामसुंदर सोनी ने हितग्राहियों के राशन कार्डो का वितरण किया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 16 कोहड़िया में आयोजित शिविर के दौरान वार्ड पार्षद नरेन्द्र देवांगन ने भी हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए। वहीं अन्य वार्डो में आयोजित शिविरों के दौरान वार्ड पार्षदों, जनप्रतिनिधियों ने अपनी सहभागिता देते हुए हितग्राहियों को राशन कार्डो का वितरण किया, शिविर में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का जाना तथा समस्याओं का निराकरण कराया।निगम के उपायुक्त व नोडल अधिकारी पवन वर्मा ने बताया कि सोमवार को आयोजित सातों शिविरों में विभिन्न मांग समस्याओं व शिकायतों से संबंधित कुल 856 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 780 आवेदन विभिन्न मांग से संबंधित व 76 आवेदन शिकायतों से संबंधित हैं, जिसमें 207 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया तथा शेष 649 प्रकरणों को संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण हेतु भेजा जा रहा है।मंगलवार 30 जुलाई को वार्ड क्र. 05 इतवारी बाजार सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 13 टैगोर उद्यान सामुदायिक भवन, वार्ड क्र. 19 जुनियर क्लब सीएसईबी, वार्ड क्र. 25 आदिवासी शक्तिपीठ बुधवारी, वार्ड क्र. 38 मंगल भवन जोन आफिस के पास, वार्ड क्र. 45 राजीवनगर सामुदायिक मंच, वार्ड क्र. 57 आनंदनगर मेन रोड सामुदायिक भवन में शिविर लगाए जाएंगें।

संसद में मुद्दों को मुखरता से उठा रही सांसद ज्योत्सना

बंद पड़ी ट्रेनों व नए ट्रेनों को चलाने रेल मंत्री से की मांग

कोरबा । लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने सोमवार को संसद के मानसून बजट सत्र के दौरान कोरबा संसदीय क्षेत्र की रेल सुविधाओं को लेकर शून्य काल में मुद्दा उठाया और बंद पड़ी ट्रेनों और नई ट्रेनों को चलाने के साथ-साथ यात्री ट्रेनों और स्टेशनों का कार्य प्रगति से कराए जाने को लेकर सवाल उठाए।

सांसद ज्योत्सना महंत ने शून्य काल में कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाला कोरबा जिला रेलवे को सर्वाधिक राजस्व देता आया है और दे रहा है लेकिन यात्री सुविधाओं के मामले में कोरबा संसदीय क्षेत्र को उपेक्षित रखा गया है।

सांसद ने कहा कि कोरबा से चलने वाली यात्री ट्रेनों की लेट-लतीफी और ट्रेनों के रद्द होने से यात्री बेहद परेशान हैं। कोरबा से लंबी दूरी की यात्री ट्रेनों को चलाने के लिए रेल मंत्री को पत्रों के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है। बावजूद कोरबा यात्री सुविधाओं को लेकर अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है। कोरबा रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य में प्रगति लाने के साथ-साथ, कोरबा पश्चिम क्षेत्र को जोडने वाली गेवरा रेलवे स्टेशन में यात्री ट्रेन व सुविधा शून्य के समान है। कोरबा-गेवरा रोड यात्री ट्रेन पुन- परिचालन किया जाए, कोरबा स्टेशन में पिट लाईन लाईन चालू किया जाए।

नई यात्री ट्रेनों को चलाने के संबंध में सांसद ने कहा कि बीकानेर-कोरबा-बीकानेर द्विसाप्ताहिक खाटू श्यामजी एक्सप्रेस व्हाया चुरू, फतेहपुर शेखावटी, रींगस, जयपुर, कोटा, कटनी एवं बिलासपुर, कोरबा-राउरकेला-कोरबा इंटरसिटी एक्सप्रेस व्हाया चांपा बाईपास, कोरबा से रायगढ़ रूट पर ट्रेन चलाई जाए, तिरूपति-बिलासपुर-तिरूपति को विस्तार कोरबा तक किया जाए जो बिलासपुर में लगभग 32 घंटे तक खड़ी रहती है, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का गेवरारोड/कोरबा तक विस्तार किया जाए।

कोरबा संसदीय क्षेत्र के रेलवे स्टेशनों में सुविधा बढ़ाने को लेकर बार-बार अवगत कराने के बाद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कोरबा संसदीय क्षेत्र का दूसरा हिस्सा एमसीबी जिले में भी यात्री सुविधाओं को लेकर ज्ञापन सौंपे गए हैं, जिसमें प्रमुख रूप से अंबिकापुर से दिल्ली तक सप्ताह में एक दिन ट्रेन चलाई जा रही है जिसे कम से कम तीन दिन किया जाए, रायपुर-अंबिकापुर ट्रेन का स्टापेज बढ़ाने के साथ-साथ इस ट्रेन को रात्रि के साथ-साथ सुबह भी चलाया जाए, अंबिकापुर-दुर्ग यात्री ट्रेन को नागपुर तक चलाये जाने की आवश्यकता है। बहुरीडांड जंक्शन से अंबिकापुर तक डबल लाइन का कार्य को स्वीकृति प्रदान की जाए।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने एस.ई.सी.एल. के सी.एम.डी को पत्र लिखा

कोरबा। एस.ई.सी.एल. की कुसमुण्डा खदान के ओव्हर वर्डेन क्षेत्र का निरीक्षण करने गए 6 सदस्यीय टीम के अहम सदस्य जितेन्द्र नागरकर की जल सैलाब में बह जाने से हुई मौत के मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने एस.ई.सी.एल. के सी.एम.डी को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि खदान की सुरक्षा में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। कोल इंडिया द्वारा संचालित विभिन्न कोयला खदानों के लिए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम पर प्रतिवर्ष लगभग 150 करोड़ रूपये खर्च किए जाते हैं जिसमें से एस.ई.सी.एल प्रबंधन द्वारा कोरबा में संचालित देश की सर्वाधिक कोयला उत्पादक महत्वपूर्ण खदानों कुसमुण्डा, गेवरा व दीपका को लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा प्रदान किया जाता है। इतनी बड़ी धनराशि मिलने के बाद भी खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती अभी हाल की घटना है जिसमें प्रबंधन की लापरिवाहियों की कीमत सहायक प्रबंधक जितेन्द्र नागरकर को अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ी। आश्चर्य है कि इस हादसे से लगभग 15 दिनों पूर्व कुसमुण्डा खदान का निरीक्षण करने सी.एम.डी. स्वयं आए थे और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारियों को कड़े निर्देश भी दिए थे बावजूद इसके इस तरह का हादसा हुआ जो अधिकारियों की लापरवाहियों को उजागर करता है। इस तरह के लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए।

पत्र में आगे लिखा कि कुसमुण्डा खदान क्षेत्र में प्रबंधन की लापरवाही के कारण हुई इस दुर्घटना से चार दिन पहले ग्राम भठोरा में भी इसी तरह की घटना हुई थी जो स्वत: खदानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान लगाता है लेकिन इस घटना से भी प्रबंधन ने कोई सबक नहीं लिया। सुखद संयोग यह रहा कि इस घटना में जनहानि नहीं हुई लेकिन सुरक्षा व्यवस्था पर अनेक सवालिया निशान जरूर बनते हैं। कुसमुण्डा की घटना के संबंध में एस.ई.सी.एल. प्रबंधन ने विज्ञप्ति जारी करते हुए स्वीकार किया है कि ह्यूम पाइप के जाम हो जाने से जल निकासी अवरुद्ध होने की वजह से हादसा हुआ। सवाल उठता है कि केवल ह्यूम पाईप लगाकर प्रबंधन अपनी जिम्मेदारियों से कैसे बच सकता है। ह्यूम पाईप जाम न होने पाए और जल निकासी अवरुद्ध न हो इसके लिए प्रबंधन ने क्या उपाय किए। इन दोनों घटनाओं के बाद जबकि मानसून का एक लम्बा समय अभी बाकी है, खदानों में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी इसके लिए प्रबंधन क्या ठोस कदम उठा रही है यह स्पष्ट नहीं है।

अपने पत्र में जयसिंह ने लिखा है कि इसी प्रकार से एस.ई.सी.एल प्रबंधन की कालोनियों में कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था की भी गंभीर स्थिति है जहां 70 प्रतिशत से अधिक मकान जर्जर हो चुके हैं जिनमें छतों से पानी टपकने, दीवालों पर सीलन और मकानो के छज्जों और प्लास्टर के गिरने की घटनाएं आम हो गई हैं। यहां बताना होगा कि मंत्री रहते हुए जयसिंह अग्रवाल द्वारा एस.इ.सी.एल. की अनेक कालोनियों का भ्रमण कर निरीक्षण भी किया गया था और मकानों की जर्जर स्थिति को अपनी आंखों से देखा था। इस संबंध में उस समय जयसिंह अग्रवाल द्वारा एस.ई.सी.एल के खदानों और कालोनियों में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति पर प्रबंधन की लापरवाहियों को इंगित करते हुए सी.एम.डी. को पत्र लिखा गया था और मुख्यालय पत्र को गंभीरता से लेते हुए यथोचित निर्देश जारी किया था और उस समय स्थानीय प्रबंधन द्वारा कुछ कार्य भी करवाए गए थे लेकिन बाद में ऐसा प्रतीत होता है कि कालोनियों में सुधार और मरम्मत कार्य को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

कालोनियों में साफ-सफाई का आलम यह है कि सभी तरफ कचरों के ढ़ेर दिखाई देंगे। नालियां जाम हैं जिनकी वजह से मच्छरों का आतंक है, सड़को दशा ऐसी हैं कि बरसात के दिनों में गडढ़ों में पानी भरा होने से पता ही नहीं चलेगा कि कहां कितना गडढ़ा है और दुपहिया वाहन चालक अक्सर गिरते रहते हैं। छतों से टपकनेवाले पानी से बचाव के लिए कर्मचारी पन्नियों का सहारा लेते हैं, दीवालों की सीलन से कपड़े खराब न हों इसके लिए भी वे दीवालों में पन्नियां लगाकर रखते हैं। ऊपर की मंजिल पर जाने के लिए बनाई गई सीढ़ियों की स्थिति ऐसी है कि उसपर चलते हुए डर लगता है कि कब गिर जाए। बिजली आपूर्ति की स्थिति तो ऐसी है कि दिन हो या रात, बिजली सप्लाई कब तक रहेगी कोई नहीं बता सकता।

उपर्युक्त विषयों पर प्रबंधन की घनघोर लापरवाहियों के हवाले से जयसिंह अग्रवाल ने सी.एम.डी. को लिखे पत्र से उम्मीद जताई है कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ पर रोक लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने की दिशा में एस.ई.सी.एल. प्रबंधन द्वारा ठोस कदम उठाए जाएंगे।

नगर निगम के पानी टैंकर पर कॉलोनी के लोगों ने किया कब्जा

कोरबा। एक तरफ शहर में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है, लोग पीने के पानी के लिए परेशान हो गए हैं वहीं दूसरी तरफ आरोप हैं की नगर निगम के कुछ अधिकारी अपने व्यक्तिगत मकान में नगर निगम की टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार स्थानीय राजेंद्र प्रसाद नगर में नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी का मकान स्थित है, इस मकान के लिए उन्होंने नगर निगम के टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई का आदेश अपने अधीनस्थ को दिए जिसकी जानकारी कॉलोनी के लोगों को मिलने पर उन्होंने पानी टैंकर को अपने कब्जे में लेकर इसका विरोध किया और अधिकारी को खरी-खोटी सुनाई।बताया जा रहा हैं की कॉलोनी में निवासरत लोगों ने कहा कि नगर निगम में इतनी अंधेर गर्दी हो गई है कि लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं और नगर निगम के अधिकारी अपने मकान पर टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, हद तो तब हो गई जब एक बाल्टी पानी मांगने पर भी टैंकर चालक ने पानी नहीं दिया। वार्ड से पार्षद प्रतिनिधि निखिल शर्मा ने कहा कि पूरे वार्ड में पानी की सप्लाई बंद है और नगर निगम के अधिकारी द्वारा इस तरह अपने मकान पर पानी की सप्लाई करना सरासर गलत है, इसकी जानकारी नगर निगम आयुक्त को दी जाएगी और इस मामले पर उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी।

तहसीलदारों का किया गया तबादला

कोरबा। कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने शासकीय कार्य में कसावट लाने के लिए प्रशासनिक दृष्टिकोण से तहसीलदारो का तबादला किया गया है। जिसमें कोरबा तहसीलदार राहुल पांडेय को बरपाली व तहसीलदार सत्यपाल राय को कोरबा तहसीलदार बनाया गया है।

शिव मंदिर में भक्तों की पूजा करने लगी रही भारी भीड़

जांजगीर चांपा। श्रवण मास के दूसरे सोमवार पर जिले सहित अंचल के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रखा। जिले के खरौद, पीथमपुर, नवागढ, तुर्रीधाम सहित कल शिवालयों में सुबह से लेकर दोपहर तक भगवान शिव की पूजा-अर्चना के अलावा जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक का दौर चलता रहा। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। व्यवस्था बनाने मंदिर प्रशासन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य जुटे रहे।

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव को श्रावण मास अत्यंत प्रिय है। सोमवार को भगवान शिव का वार माना जाता है। ऐसे में श्रवण मास के सोमवार को भगवान शिव के दुग्धाभिषेक या जलाभिषेक के साथ ही पूजा-अर्चना को अत्यंत फल दायी माना जाता है। 29 जुलाई को श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर जिला मुख्यालय जांजगीर के सेंधवार महादेव, नहरिया बाबा मार्ग स्थित शिव मंदिर के अलावा, चांपा नगर के विभिन्न शिवालयों

सहित समीपस्थ ग्राम पीथमपुर के भगवान कलेश्वर नाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने तड़के से लेकर दोपहर तक विषेश कर महिलाओं का तांता लगा सहा। इसी तरह लक्ष्मणेश्वर धाम खरीद, लिंगेश्वर महादेव नवागढ़, सक्ती के तुर्रीधाम में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। लोगों ने आस्था के साथ पूजा की। इस दौरान भक्त अपने प्रिय महादेव की दर्शन करने लगी श्रद्धालुओं की लम्बी कतार लगी रही।

लक्ष्मणेश्वर महादेव का दर्शन करने सुबह से लगा रहा श्रद्धालुओं का तांता

छतीसगढ़ की काशी के नाम से विख्यात भगवान लक्ष्मणेश्वर महादेव की नगरी में सावन के दूसरे सोमवार पर दिन भर भोले शंकर की विशेष पूजा अर्चन होता रहा। इस दौरान भक्तों के व्दारा दूध नारियाल अर्पित किया गया। इस खास माह में भगवान शिव के भक्तगण उनकी उपासना करते है इस बार सावन माह में शुभ संयोग है। सावन के दूसरे सोमवार पर सुबह से ही महानदी से जल भर कर शिवलिंग के पूजा अर्चना करने तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने मंदिर में विशेष आरती व श्रृंगार किया गया था। मंदिर के कपाट सुबह 4 बजे ही खोल दिए गए थे। उधर आसपास के मंदिरों में सावन के दूसरे सोमवार का उत्साह शिव भक्तों में देखा जा रहा था। भगवान शिव को जल अर्पित करने के लिए मंदिरों के बाहर लोगों की कतारें लगी रही। बोल बम और हर हर महादेव के नारे लगा रहे थे। श्रद्धालु की भीड़ को देखते हुए मंदिर के बाहर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गया था।

हाथों में बेलपत्र, चॉवल, घतुरा फूल, नारियल समी पत्र सहित जल से भगवान शंकर की पूजा अर्चना की। सावन में होने वाले सोमवारो का हिंदू धर्म और मानव जीवन में में बड़ा बड़ा ही ही म महत्व है। धर्म की माने तो मां पार्वती सावन सोमवार को भोलेनाथ और वरदानी शिवजी का उपासना करती थी स्वयं शिव की प्राप्ति के लिए सावन सोमवार को शिव का उपासना करने और जलाअभिषेक करने वाले भक्तों का मनोकामना पूर्ण होता है, जो युवती कुंवारी अवस्था में भगवान शिव की उपासना कर जलाभिषेक करती है उनके मनचाहा वर मिलता है और शादीशुदा जनमानस को शिव की कृपा से उनके जीवन में भी धन-धान्य उन्नति प्रगति बनी रहती है।

नगरीय निकाय के कर्मियों को 4 माह से वेतन के लाले

जांजगीर चांपा। जिले के नगरीय निकाय के कर्मचारियों कहीं 3,4 माह से वेतन नहीं मिला है। ऐसे में आक्रोशित कर्मचारियों ने दो सूत्रीय मांगों को लेकर कचहरी चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया । सभा को संबोधित करते हुए जमकर हल्ला बोला। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। वेतन नहीं मिलने से नियमित कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिले में नगरीय निकायों की माली हालत खस्ता है। नियमित कर्मचारियों को कहीं 3 तो कहीं 4 माह से वेतन नहीं मिला है। नियमित कर्मचारियों को भुगतान नहीं होने के कारण उनका त्यौहार फीकी जा रही हैं। कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। नगर पालिका जांजगीर- नैला के नियमित कर्मचारियों से काम तो पूरा लिया जा रहा है, मगर उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है।

ऐसे में कर्मचारी बिना वेतन के ही काम कर नगरीय निकाय में सबसे ज्यादा परेशानी फोर्थ ग्रेड के कर्मचारी को उठानी पड़ रही है। जांजगीर-नैला पालिका में कई ऐसे कर्मचारी है, जिसके पास पालिका से वेतन के अलावा अन्य कोई आय का साधन नहीं है। तीन से चार माह से वेतन नहीं मिलने से बच्चों का फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं। साथ में बैंक में उधारी लेने के बाद किस्त नहीं पटा पा रहे हैं। ऐसे में उल्टा नोटिस जारी हो रहा है। इसके अलावा कई परेशानी से जूझना पड़ रहा है।

मिल पा रहा है। पहले भी कर्मचारी वेतन नहीं मिलने की समस्या को लेकर सीएमओ के पास भी गुहार लगा चुके हैं। लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हो पाई। इससे परेशान होकर जिले भर के नगरीय निकाय के कर्मचारियों ने एक दिवसीय प्रदर्शन पर कचहरी चौक में बैठ गए। साथ ही सरकार के खिलाफ जमकर हाल्ला बोला। इसके साथ पैदल कलेक्टोरेट पहुंचे। जहां दो सूत्रीय मांगों को लेकर अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। नगरपालिका जांजगीर-नैला में सभी नियमित कर्मचारियों के हड़ताल में रहे हैं। जिले के नगरीय निकायों में लगभग 300 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। जांजगीर-नेला की बात करें तो नियमित कर्मचारियों को 4 माह का वेतन नहीं मिला है। वहीं प्लेसमेंट कर्मचारियों को भी 3 माह का वेतन भुगतान लंबित है। नियमित कर्मचारियों को वेतन देने के लिए

पालिका के पास पैसे नहीं है। एक माह में नियमित कर्मचारियों को करीब 28 लाख रुपए वेतन भुगतान होता है। पालिका के पास आय के पर्याप्त स्त्रोत हैं पर राजस्व वसूली में लापरवाही बरती जा रही है, इसके चलते पालिका के पास वेतन देने के लिए रुपाए नहीं है। साथ ही ऊपर से फंड नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नियमित कर्मचारियों को वेतन नहीं दो सूत्रीय मांगों में पहला नगरीय निकायों में प्रत्येक माह की 1 तारीख को वेतन भुगतान की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। दूसरा नगरीय निकायों में अन्य विभाग की भांति जल्द ही ओल्ड पेंशन योजना लागू करना प्रमुखता से शामिल है। चले जाने से नपा में सन्नाटा पसरा रहा । ऐसे में फरियादियों को भटकना पड़ा। साथ ही उनकी जगह ठेका कर्मचारी भी नहीं पहुंचे।

सरपंच-सचिव को पद से हटाने कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

सक्ति। ग्राम पंचायत हरदी के पंचायत सचिव और सरपंच पर आर्थिक अनियमितता का आरोप लगाते हुए पद से हटाने की मांग को लेकर ग्राम हरदी के मुकेश कुमार बंजारे व ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

शिकायत के मुताबिक, ग्राम पंचायत हरदी जनपद पंचायत जैजैपुर के वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक 15वें वित्त की जीपीडीपी के कार्य एवं राशि 46 लाख 42 हजार रुपए का आहरण की जांच कर पंचायत सचिव प्रेमलाल नारंगे के विरुद्ध दंडनात्मक कार्रवाई करने के संबंध में शिकायत हुई थी। शिकायत पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैजैपुर के द्वारा जांच टीम गठित की गई थी। जांच प्रतिवेदन के अनुसार ग्राम हरदी में विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए एजेंसी को भुगतान किया जाना पाया गया जिसमें कांता प्रसाद साहू को कुल राशि 667000 रुपए, रोहित कुमार बंजारे को 741627 रुपए व राजेश बोलवेल को 364000 रुपए का भुगतान पाया गया। विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए तीनों एजेंसी को कुल 17 लाख 22 हजार 627 रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। इनका बिल वाउचर बिना जीएसटी एवं टिन नम्बर का है।

इस प्रकार सरपंच एवं सचिव का उक्त कृत्य आर्थिक अनियमितता की श्रेणी में आता है। शिकायत कर्ता और ग्रामीणों ने कलेक्टर को निवेदन करते हुए 17 लाख 22 हजार 6 सौ 22 रुपए की वसूली करने और आर्थिक अनियमितता को लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत एवं छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम की धारा 40 के तहत सरपंच एवं सचिव को तत्काल पद से हटाने एवं भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत शासकीय पैसे को भ्रष्टाचार करने के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की मांग सक्ती कलेक्टर से की गई है।

पांच मुखी आटे के दीपक से की गई झूलेलाल की मंगल आरती

अकलतरा। श्री झूलेलाल सेवा समिति व श्री झूलेलाल महिला सेवा समिति ने नगर के सिंधी धर्मशाला में झूलेलाल चालीहो महोत्सव का आयोजर्न कया है। सिंधी समाज के लोगों प्रतिदिन चालीसा पाठ करने के साथ-साथ भगवान झूलेलाल की सुबह शाम सामूहिक रूप से मंगल आरती कर रहे है। इसके साथ ही भक्तों को प्रसाद बांटा जा रहा है। झूलेलाल चालीहो महोत्सव के अवसर पर समाज की महिलाएं व्रत करने के साथ प्रतिदिन चार या पांच मुखी आटे का दीपक अपने घरों से लाकर भगवान की पूजा कर रही हैं।

पूज्य सिंधी पंचायत के उपाध्यक्ष नरेश हरगुनानी व मुकेश नागदेव ने बताया कि विगत 9 वर्षों से लगातार झूलेलाल चालीहो महोत्सव आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। 20 जुलाई से आयोजित झूलेलाल चालीहो महोत्सव में भगवान झूलेलाल की जल के रूप में आराधना की जाती है। यह समाज का सबसे बड़ा पर्व है। ऐसी मान्यता है कि इन दोनों भगवान झूलेलाल वरुण देव का अवतरण करके अपने भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं।

धोबी समाज को अनुसूचित जाति वर्ग में शामिल करने की मांग

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित समिति कक्ष में राष्ट्रीय रजक महासंघ की छत्तीसगढ़ इकाई के प्रदेश भर से आए सदस्यों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल विधायक का पुष्प गुच्छ व शाल श्रीफल से अभिनंदन किया साथ ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से समाज के प्रदेश अध्यक्ष विश्राम निर्मलकर ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों से अवगत कराते हुए रजक धोबी समाज को अनुसूचित जाति वर्ग में शामिल करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सशक्तिकरण से ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण होता है। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष विश्राम निर्मलकर प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ लेख राम निर्मलकर, सुरेश निर्मलकर, चूडामणि निर्मलकर जांजगीर जिला से पितरेश उजागर जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय रजक महासंघ, श्रवण कुमार निर्मलकर जिला सचिव राष्ट्रीय रजक महासंघ, ज्ञान सिंह निर्मलकर प्रदेश संरक्षक राष्ट्रीय रजक महासंघ छत्तीसगढ़, महेश कर्ष कोसाअध्यक्ष राष्ट्रीय रजक महासंघ छत्तीसगढ़, प्रदेश युवा अध्यक्ष राजा निर्मलकर श्रीमती चित्र रेखा निर्मलकर, डॉ मदन निर्मलकर दुर्ग, नीलकंठ निर्मलकर सहित राजनंदगांव से कैलाश निर्मलकर बिलासपुर से डॉ प्रदीप निर्मलकर जय रजक एवम अन्य जिला से बेमेतरा, बालोद, मुंगेली पेंडा, खैरागढ़, धमतरी महासमुंद, जशपुर, बलौदा बाजार, बस्तर संभाग रायपुर से पदाधिकारी सैकड़ों की संख्या में उपस्थित हुए। कोरबा जिला, दुर्ग जिला, बालोद राजनंदगांव सभी जिले से पदाधिकारी एवं सामाजिक सदस्य उपस्थित रहे। उक्त जानकारी राष्ट्रीय रजक महासंघ छत्तीसगढ़ के संभागीय मीडिया प्रभारी लव कुमार ने दी।

भाजपा ग्रामीण मंडल ने किया सेवा कार्य

अकलतरा। भारतीय जनता पार्टी अकलतरा ग्रामीण मंडल ने सेवा कार्य अंतर्गत क्षेत्र के प्रसिद्ध पारस नाथ धाम परसाही नाला में सावन महीने के दूसरे सोमवार को मंदिर प्रांगण के सामने कांवरियों व श्रद्धालुओं को सुबह 8 बजे से दोपहर तक खीर व पूड़ी का प्रसाद बांटा। भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने बताया कि भाजपा ग्रामीण मंडल अकलतरा ने सेवा कार्य अंतर्गत क्षेत्र के प्रसिद्ध पारसनाथ धाम मंदिर प्रांगण में सावन सोमवार को मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को खीर व पूड़ी का प्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम में भाजपा ग्रामीण मंडल मंत्री विनोद निर्मलकर, मंडल कोषाध्यक्ष बलराम सिंह सकरवार, अंबिका जगत, घनश्याम गंधर्व, मकसूदन पटेल, ईश्वर मरकाम, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष नवनीता कंवर, पवन यादव, प्रेम सागर कश्यप आदि उपस्थित थे।

मनरेगा मजदूर अपनी मजदूरी पाने भटकने को मजबूर रहा

जांजगीर। नवागढ़ ब्लॉक अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तुस्मा के मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों को तीन माह पूर्व कार्य किए जाने मजदूरी का भुगतान आज तक नहीं हो सका है। इस समस्या को लेकर मजदूरों ने गुहार लगाई है। ज्ञात हो कि ग्राम के बेल्हा भाठा

रोड निर्माण कार्य करीब दो किलोमीटर तक चार सप्ताह तक चला इसके साथ ही गांव के बंधान तालाब में गहरी करण का कार्य करीब दो सप्ताह तक चला। इसके अलावा नवा तालाब में गहरी करण के साथ साथ पचरी निर्माण का कार्य कराया गया है, लेकिन मजदूर अपनी मजदूरी की राशि पाने के लिए कही विभाग की चक्कर काट और में पता है कि है। समय की पड़े। इधर पेंडिंग रहे है तो कहीं रोजगार सहायिका के चक्कर काटने मजबूर है। ऐसे में ग्रामीणों का विभाग के प्रति आक्रोश पनप रहा है। इन गरीबों को अपनी खून पसीने की कमाई के लिए भी दर दर भटकना पड़ रहा है। जिनकी वजह से इन्हें आर्थिक तंगी से जूझना पड़ रहा है। करीब तीन माह हो गया है मनरेगा मजदूरों को काम किए लेकिन अब तक इन्हें इनकी मेहनत की कमाई की राशि नही मिल पाई है। ऐसे में ग्रामीणों का अब जिम्मेदार लोगो के प्रति गुस्सा फुट है। मजदूरों ने बताया की हम यहीं सोच कर काम में जाते ही की सही समय में पैसा मिलेगा और इसमें मजदूरी भी अच्छी मिलती है पैसा सीधा ग्रामीण के हो खाते आते है पर काम हो जाने के बाद चला की मजदूरी का कोई ठिकाना नहीं है। मजदूरों को उम्मीद हरेली पर्व तक मिल जायेगा। लेकिन इनका भी कोई ठिकाना नही शासन प्रशासन को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ सही में भुगतान की भी व्यवस्था जाना चाहिए। ताकि लोगों को परेशानियों का सामना करना ना ग्रामीणों का कहना है कि मनरेगा में काम करके पछता रहे हैं।

पानी निकालने के लिए डिवाइडर को तोड़ा

पंतोरा। पंतोरा में नेशनल हाइवे रोड किनारे डिवाइडर बनाए जाने और अच्छी बारिश होने से किसानों का खेत जलमग्न हो गए। इससे खेत में लगातार दो दिनों तक धान के पौधे डूबे रहे। जल का बहाव नहीं होने से फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका थी।

इससे क्षेत्र के किसान चिंतित थे। भास्कर ने किसानों की इस समस्या पर खबर छापी तो एनएच अमला हरकत में आया और किसानों के कहने पर रोड का निर्माण करा रहे इंजीनियर ने मशीन लगवाकर डिवाइडर को तोड़ा, जिससे खेतों से जल की निकासी हो सकी।

पासबुक बनवाने आयी वृद्धा को बैरंग लौटाया बैंक ने

बलौदा। बैंक में नया पास बुक बनवाने आई वृद्धा को दूसरे दिन आने की बात कहकर बैरंग वापस भेज दिया गया । पंजाब नेशनल बैंक बुड़गहन मेंआए दिन ग्राहकों को यहां के कर्मचारियों की लापरवाही और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। बलौदा ब्लाक के ग्राम घाठादेई की वृद्धा रूखमणी बाई का बैंक खाता पंजाब नेशनल बैंक बुड़गहन (बलौदा) में है । वह अपने पुराने पास बुक के बदले नया बनवाने 10 किलोमीटर दूर अपने स्वजन के साथ बैंक गई थी । पंजाब नेशनल बैंक के कर्मचारी ने वृद्धा रूखमणी बाई को मंगलवार को 2 बजे के बाद आने को कहा। उस समय लगभग 3.45 बजे थे।

रूखमणी बाई अपने पुराने पास बुक के बदले नया बनवाने के लिए 10 किलोमीटर बरसात में गिरते हुए पानी मे बैंक गई थी । बैंक के कर्मचारी ने रूखमणी बाई को नया पास बुक देने के बजाय दूसरे दिन दोपहर 2 बजे के बाद आने को कहा और बैरंग लौटा दिया। सोमवार को वह पहले ही बैंक पहुंच गई थी मगर बिजली बंद होने के कारण वह बैंक में वह बैठी थी । जब बिजली आई तो उसे पासबुक बनाने का समय समाप्त होने की बात कही गई। नए पास बुक बनाने के बजाय महिला को भगा दिया गया । वही लेनदेन करने पहुंचे ग्राहकों को भी बैंक के कर्मचारियों द्वारा टाल मटोल किया जाता है। बैंक में लेनदेन का शाम 4 बजे तक है लेकिन अन्य कार्य भी 4 बजे के बाद नहीं किया जाता। इससे ग्राहकों में आक्रोश है। इस संबंध में बैंक के शाखा प्रबंधक ललित चंद्रा से जब जानकारी चाही गई तो उन्होंने बाद में फोन करने की बात कही गई और कोई जवाब नहीं दिया।

फगुरम पुलिस ने छात्र का स्कूल में करवाया दाखिला

जांजगीर। फगुरम पुलिस ने एक जरूरतमंद छात्र की मदद की है। छात्र की आर्थिक स्थिति खराब थी। छात्र के पास एडमिशन फीस जमा करने के लिए पैसे नहीं थे। परेशान छात्र ने 10 वीं के बाद पढ़ाई बंद करने का फैसला लिया था।

जरूरतमंद छात्र की जानकारी होने पर फगुरम पुलिस ने छात्र का एडमिशन शुल्क देकर स्कूल में उसका दाखिला करवा दिया है। फगुरम चौकी प्रभारी एसआई भूपेन्द्र चन्द्रा ने बताया कि सक्ती एसपी ने जिले में पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को भी संवेदनशीलता के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। चौकी फगुरम क्षेत्र के सपिया निवासी जनकदुलारी बेटे चंद्रशेखर राठौर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सपिया में

10 वीं पास किया।

लेकिन 10 वीं उत्तीर्ण होने के बाद आर्थिक अतिथि खराब होने से व 11 वीं में प्रवेश नहीं ले पा रहा था। जानकारी मिलने पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य से इस बारे में बात की गई और छात्र चंद्रशेखर राठौर का प्रवेश शुल्क व अन्य शुल्क जमा कर उसका एडमिशन स्कूल में करवाया है। वहीं छात्र के लिए कॉपी-पुस्तक व स्कूल ड्रेस की भी व्यवस्था की गई है।

पूर्व विधायक की पूण्यतिथि पर कार्यक्रम आज

अकलतरा। पूर्व विधायक राजेन्द्र कुमार सिंह की 45वीं पुण्यतिथि पर राजेन्द्र कुमार सिंह स्मृति आयोजन समिति के तत्वावधान में मंगलवार की सुबह 9 बजे बनाहिल की शासकीय प्राथमिक शाला में छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री बांटी जाएगी।

साथ ही प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान भी किया जाएगा। सुबह 11 बजे नगर के राजेन्द्र कुमार सिंह उच्चतर माध्यमिक शाला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा। दोपहर 12 बजे, लायंस डीएवी पब्लिक स्कूल में पौधारोपण व दोपहर 1 बजे नगर पालिका परिषद में स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया जाएगा। राजेन्द्र कुमार सिंह स्मृति आयोजन समिति ने क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

मास्टर ट्रेनरों ने संकुल समन्वयकों को दिया प्रशिक्षण

जांजगीर। जिले के पामगढ़, बलौदा, अकलतरा और नवागढ़ ब्लॉक के संकुल समन्वयकों का पांच दिवसीय एफएलएन सपोर्टिव सुपर विजन प्रशिक्षण जांजगीर डाइट में शुरू हुआ। प्रशिक्षण में पहले दिन 83 संकुल समन्वयक अकादमिक प्रशिक्षण में शामिल हुए। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के मुनीर ने बताया कि संकुल समन्वयकों का सपोर्टिव सुपरविजन में संकुलों में विशेष भूमिका होती है। संकुल समन्वयकों को अकादमिक कार्य के लिए शिक्षकों से जुड़कर उनको अकादमिक कार्य में हो रही परेशानियों को समझकर दूर करना होगा।

मास्टर ट्रेनर दीपक यादव ने बताया कि एनईपी 2020 के तहत एफएलएन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक संकुल समन्वयक की भूमिका क्या होगी व वह कैसे संकुल सपोर्टिव सुपरविजन के रूप में एफएलएन का अकादमिक अवलोकन एक सहयोगकर्ता के रूप में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार सकता है। एफएलएन में राष्ट्रीय स्तर की समिति के सदस्य से राज्यस्तरीय समिति संकुल स्तरीय समिति का ढांचा कैसे होगा, बताया गया।

न्यायालय तहसीलदार करतला, जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक/462/तह./वाचक/2024

रा.प्र.क्र.10/अ-19/2023-24
ग्राम-नोनबिर्रा, प.ह.नं.29, रा.नि.मं. नोनबिर्रा
तहसील-करतला, जिला-कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग छ.ग.स्टे.पा.डिस्टी.कं. लिमिटेड कोरबा द्वारा प्रेषित पत्र में 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र का निर्माण हेतु ग्राम-नोनबिर्रा, तहसील करतला, जिला-कोरबा (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 667/1 एवं 660/1 रकबा 1.6760 में से 60×50 मी. क्षेत्रफल भूमि आबंटन करने के लिए प्रकरण जांच प्रतिवेदन एवं नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु न्यायालय अपर कलेक्टर, जिला- कोरबा (छ.ग.) से अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कोरबा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में कर्यवाही प्रारंभ कर ईश्तहार जारी किया गया है।

अतः ग्राम नोनबिर्रा स्थित शासकीय भूमि पर उपकेन्द्र निर्माण हेतु आबंटन करने के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं या अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम दिनांक 07.08.2024 तक पेश कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सीलमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
करतला, जिला- कोरबा (छ.ग.)

S-40964/2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1726/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 29/7/24

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम उदेबंद को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स लखदत्तार एग्रो के पार्टनर राजेन्द्र कुमार अग्रवाल पिता श्याम सुंदर अग्रवाल, श्वेता पिता आशीष, निवासी ग्राम जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा के द्वारा ग्राम उदेबंद प.ह.नं. 04 तहसील जांजगीर स्थित भूमि ख.नं. 954/1, 955/5, 955/7, 960/6 रकबा क्रमशः 0.57, 0.06, $0.05^{1/2}$, $0.02^{1/4}$ एकड़ कुल रकबा $0.70^{3/4}$ को औद्योगिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 09.08.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1711/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 29/7/24

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम धुरकोट को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री घृतकुमारी राठौर पति मनोज राठौर निवासी ग्राम जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा के द्वारा ग्राम धुरकोट प.ह.नं. 21 तहसील जांजगीर स्थित भूमि ख.नं. 519/2, रकबा 0.26 एकड़ को वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूमि को वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 09.08.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1633/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 23/7/24

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पिथमपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक आरिफ मनिहार पिता उमरदीन मनिहार निवासी ग्राम नैला जिला जांजगीर--चांपा के द्वारा ग्राम पिथमपुर प.ह.नं. 13 तहसील जाजंगीर स्थित भूमि ख.नं. 1367/1 रकबा 0.24 एकड़ को व्यावसायिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 05.08.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 22.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1716/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 29/7/24

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम जांजगीर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री बजरंग गुप्ता पिता श्री शंकरलाल गुप्ता निवासी ग्राम जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा के द्वारा ग्राम जांजगीर प.ह.नं. 10 तहसील जांजगीर भूमि ख.नं. 4168/8, 4179/1 रकबा क्रमशः 0.08, $0.03^{3/4}$ एकड़ कुल रकबा $0.11^{3/4}$ एकड़ को वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूमि को वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 09.08.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1706/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 29/7/24

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम भड़ेसर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अरूण सिंह पिता रमेन्द्र सिंह निवासी ग्राम भड़ेसर जिला जांजगीर-चांपा के द्वारा ग्राम भड़ेसर प.ह.नं. 19 तहसील जांजगीर स्थित भूमि ख.नं. 83/2, 85/1 रकबा क्रमशः 0.20, 0.08 कुल रकबा 0.28 एकड़ को औद्योगिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59 (2) के तहत पुनर्निर्धारण के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत कया गया है।

उक्त भूमि को वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 09.08.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1721/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 29/7/24

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम उदेबंद को सूचित किया जाता है कि आवेदक मेसर्स नवदुर्गा राईस मिल पार्टनर मुकेश कुमार पिता श्यामसुंदर, सुनील कुमार पिता रामखिलावन निवासी ग्राम जांजगीर जिला जांजगीर-चांपा के द्वारा ग्राम उदेबंद प.ह.नं.04 तहसील जांजगीर स्थित भूमि ख.नं. 953/3, 955/8, 955/9, 960/7 रकबा क्रमशः 0.57, $0.05^{1/2}$, 0.06, $0.02^{1/4}$ एकड़ कुल रकबा $0.70^{3/4}$ को औद्योगिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुनर्निर्धारण के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 09.08.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1359/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक 9/7/24

एतद् द्वारा आम जनता बिरगहनी को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यवती राठौर पति सुनील राठौर निवासी ग्राम जांजगीर तहसील जांजगीर के द्वारा ग्राम बिरगहनी प.ह.नं.11 तहसील जांजगीर स्थित भूमि ख.नं. 1088/1 रकबा 0.55 एकड़ को औद्योगिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत व्यपवर्तन के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है।

उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 24.07.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा), जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्र. 1355/ अ.वि.अ./व्यपवर्तन / 2024
जांजगीर, दिनांक .../.../24

एतद् द्वारा आम जनता बिरगहनी को सूचित किया जाता है कि आवेदक योगेन्द्र कुमार पिता श्री श्यामलाल निवासी ग्राम बिरगहनी तहसील जांजगीर के द्वारा ग्राम बिरगहनी प.ह.नं.11 तहसील जांजगीर स्थित भूमि ख.नं. 162, 163, 165 रकबा क्रमशः 0.13, 0.32, 0.46 कुल 0.91 एकड़ को औद्योगिक प्रयोजन हेतु छ.ग.भू.रा.संहिता 1959 की धारा 172 के तहत व्यपवर्तन के लिए बी-1, खसरा एवं विक्रय पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है।

उक्त भूमि को औद्योगिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/ दावा हो तो वह अपनी आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी सुनवाई दिनांक 24.07.2024 तक आपत्ति / दावा प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति / दावा पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

(सील) अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जांजगीर

अनमोल वचन......

हम सभी के पास समान प्रतिभा नहीं है, लेकिन हमारे पास समान अवसर हैं, अपनी प्रतिभा को विकसित करने के लिए

दुकानदारों के नाम सार्वजनिक समाज में विभेद पैदा

कांवड़ यात्रा के मार्ग पर दुकानदारों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड प्रशासन के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। दो जजों की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि खाना बेचने वालों को यह बताना जरूरी है कि वे किस तरह का खाना दे रहे हैं, लेकिन उस पर मालिक या कर्मचारियों का नाम सार्वजनिक करने के लिए जोर नहीं डाला जा सकता। पीठ ने विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया कि आदेश का अनुपालन स्वैच्छिक है, लेकिन इसे बलपूर्वक लागू किया जा रहा है। प्रमुख विपक्षी दलों द्वारा इसकी निंदा की गई तथा इसे विभाजनकारी कदम बताया। इस आदेश से समानता के अधिकार, अस्पृश्यता, भेदभाव का निषेध तथा कोई भी व्यापार करने के अधिकार का हनन कहा गया। वर्षो से चली आ रही यात्रा पर पहले कभी इस तरह के कोई आदेश नहीं जारी किए जाते रहे हैं। कांवड़ मार्ग में आने वाले ढाबे/रेहड़ी स्वयं प्रचार करते हैं कि उनके यहां शुद्ध वैष्णव भोजन मिलता है। दूसरे फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट (एफएसएसएआई) व स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट जैसे कानून पहले ही मौजूद हैं। जो खाद्य पदाथरे की गुणवत्ता सुनिश्चत करने का काम करते हैं। बाजार में मिलने वाले भोज्य पदार्थ स्वच्छ हों, उनमें किसी तरह की मिलावट या गंदगी न हो, यह जांचना स्थानीय प्रशासन का काम है।

सवाल सिर्फ कांवड़ श्रद्धालुओं का ही नहीं है बल्कि यह हर उपभोक्ता का अधिकार है कि उसे शुद्ध-स्वच्छ खाना मिले। बीते कुछ सालों से राज्य सरकारें कांवड़ यात्रा में विशेष रुचि ले रही हैं, जबकि इन्हीं राज्यों में और भी तीर्थ स्थल हैं, जो बुरी तरह उपेक्षित हैं या वहां किसी तरह की सुविधाओं का ख्याल नहीं रखा जाता। हम सिर्फ धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र ही नहीं हैं बल्कि हमारी संस्कृति हमें सहिष्णुता व भाई-चारा भी सिखाती है। इस तरह के आदेशों से कारोबार बाधित होता है और नीचे के वर्ग को रोजगार या दिहाड़ी से हाथ धोना पड़ता है। साथ ही समाज में विभेद पैदा होगा। इस आदेश का सबसे ज्यादा नुकसान छोटे व गरीब दुकानदारों को होता, जो रोज कमाने-खाने वाले हैं। राज्य सरकारों को अदालत के हस्तक्षेप से पूर्व ही विचारपूर्वक निर्णय लेने की आदत डालनी होगी।

राशिफल

मेष राशि : आज आप अपने दिन की शुरुआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन रिलैक्स से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। अधिकारियों और निचले वर्ग के लोगों से भी समय-समय पर मदद मिलेगी। आज आपके बिजनेस मे तरक्की होगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जाएंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें। मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर रहे लोंगो को नये अवसर मिलेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में कोई नया काम भी सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे। आर्किटेक्ट और इंजीनियरिंग वालों के लिए आज सफलता भरा दिन है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे। परिवार में सुख संतोष बढ़ेगा। स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज माता-पिता के आशीर्वाद से किये गये कार्यों में आपको सफलता मिलेगी परिवार को जोड़कर चलने से आपकी भूमिका बड़ी हो जाएगी, परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा आपको गर्व होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमानें का है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे। आपके जीवनसाथी कोई जरूरत का सामान आपको गिफ्ट करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए समान्य रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको खुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जायेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी खुशी होगी। आज की शाम परिवार वालों के साथ बितायेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा। आपको माता-पिता के साथ किसी समारोह में जा सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे। ऑफिस में आपके अच्छे काम को देखकर जूनियर आपकी ज्यादा रेस्पेक्ट करेंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। क्राकरी का बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस है। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, आपकी टेंशन कम होगी।

मीन राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनाएंगे। घर से निकलते समय माता जी से मिलकर ही निकले जिससे आपका दिन अच्छा और खुशहाली भरा रहेगा।

नशे के विरुद्ध जन-अभियान

//भारत डोगरा//

हाल के समय में सामाजिक समस्याओं में वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि विभिन्न तरह के नशों में वृद्धि हो रही है। शराब और गुटखे में वृद्धि बहुत तेजी से हुई है। अनेक तरह के ड्रग्स का चलन भी तेजी से बढ़ा है। विभिन्न तरह के नशे क्यों बढ़े हैं, इस पर अनेक तरह के विचार मिलते हैं पर एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि शराब के विरुद्ध जो एक बड़ा माहौल हमारे समाज में था, इसमें बहुत गिरावट आई है। चाहे शराब का उपयोग कितने भी समय से हो रहा हो, पर कुछ दशक पहले तक इसे बहुत बुरा माना जाता था और नैतिक स्तर पर यह मान्यता बहुत मजबूत थी। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी इस नैतिक सोच को प्राप्त किया जाता था। पर धीरे-धीरे शराब के विरुद्ध इस सामाजिक मान्यता में कमी आने लगी और फिर बाद में तो यह प्रवृत्ति बहुत तेज हो गई। यह केवल समाज और अर्थव्यवस्था में आ रहे बदलावों के कारण नहीं हुआ अपितु योजनाबद्ध ढंग से भी इस माहौल को बदला गया।

एक मिथक जो दुनिया भर में फैलाई गई कि कम मात्रा में शराब पीने से नुकसान नहीं है, जबकि वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि कम मात्रा में शराब पीने से भी कुछ हानि अवश्य होती है। फिर एक मिथक यह फैलाई गई कि वाईन या रेड वाईन से क्षति नहीं होती है। इस मिथक के फैलने से कितने ही लोगों ने नियमित रेड वाईन पीना आरंभ कर दिया जबकि बाद में स्पष्ट हो गया कि इस कारण उन्होंने अनेक गंभीर समस्याओं को आमंत्रित किया है। इसी तरह कभी सिगरेट तो कभी बीड़ी, सभी तंबाकू के विभिन्न रूपों तथा सभी गुटखे के दुष्परिणामों को कम करके बताया गया। एक अन्य मिथक फैलाया गया कि शराब की लत लग जाने पर इसे छोड़ना लगभग असंभव है जबकि आंकड़े बताते हैं कि प्रति वर्ष लाखों लोग मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर भी शराब छोड़ते हैं। यदि समाज में एक निरंतरता से अभियान नशे के विरुद्ध चलाया जाए तो यह संभावना और बढ़ जाएगी।तरह-तरह के नशे करोड़ों लोगों का जीवन क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। सभी तरह के नशे के विरुद्ध समग्र अभियान की जरूरत है। वैसे तो सभी तरह के नशे बुरे हैं, पर सब से अधिक बरबादी शराब से हो रही है। इस बारे में विश्व स्तर के आंकड़े डराने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की शराब और स्वास्थ्य स्टेटस रिपोर्ट (2018) के अनुसार विश्व में 2016 में शराब से 30 लाख मौतें हुई। 2016 में शराब के कारण हुई मौतों में से 28.7 प्रतिशत चोटों के कारण हुई, 21.3 प्रतिशत पाचन रोगों के कारण हुई, 19 प्रतिशत हृदय रोगों के कारण हुई, 12.9 प्रतिशत संक्रामक रोगों से हुई और 12.6 प्रतिशत कैंसर से हुई। 20 से 29 आयु वर्ग में होने वाली मौतों में से 13.5 प्रतिशत शराब के कारण होती हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में शराब के कारण 2016 में 3700 मौतें हुई। इनमें से 187000 ऐसे व्यक्ति थे जो स्वयं गाड़ी नहीं चला रहे थे। शराब के कारण इस वर्ष 1500 आत्महत्याएं हुई और 900 मौतें आपसी हिंसा में हुई। कम समय में अधिक पी लेने से कोमा में आने और मृत्यु तक का परिणाम हो सकता है। इस रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि 200 तरह की बीमारियों और चोटों में शराब का हानिकारक उपयोग एक बड़ा कारण है। लिवर सिरहोसिस और अनेक तरह के कैंसर में शराब महत्त्वपूर्ण कारण है। पहले अधिक शराब पीने को ही मस्तिष्क की क्षति, याद रखने की क्षमता पर प्रतिकूल असर और डिमेनशिया से जोड़ा जाता था पर अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नये अनुसंधान (ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित) से पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम शराब पीने से भी मस्तिष्क की ऐसी क्षति होती है।यह तो सब जानते हैं कि शराब स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, पर शराब उद्योग यह मिथक फैलाने के लिए प्रयासरत रहा है कि थोड़ी सी शराब पीने से नुकसान नहीं होता। यह केवल मिथक ही है। सच्चाई हाल के अध्ययन में सामने आई है जो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लांसेट' में प्रकाशित हुआ। लगभग 500 विशेषज्ञों के समूह के मुख्य लेखक मैक्स ग्रिसवोल्ड ने इस अध्ययन के निष्कर्ष के बारे में बताया है, एल्कोहल की कोई ऐसी सुरक्षित मात्रा नहीं है (न्यूनतम मात्रा से भी नुकसान होता है)।

आगे जैसे-जैसे एल्कोहल का प्रति दिन का उपयोग बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे स्वास्थ्य के खतरे भी बढ़ते जाते हैं। नशीली दवाओं, एल्कोहल और एडिक्टिव बिहेवियर के विकोष के अनुसार मौत होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में से 44 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका पाई गई है। दुर्घटना में मरने वाले 50 प्रतिशत तक मोटरसाइकिल चालकों के शराब के नशे में होने की संभावना पाई गई है। इस विकोष के अनुसार घर में होने वाली दुर्घटनाओं में 23 से 30 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका होती है। आग लगने और जलने से मौत होने की 46 प्रतिशत दुर्घटनाओं में एल्कोहल की भूमिका होती है। यदि शराब न पिए हुए व्यक्ति से तुलना करें तो शराब पीने के बाद किसी व्यक्ति में आत्महत्या का खतरा सात गुणा बढ़ जाता है और अधिक मात्रा में शराब पीने के बाद यह खतरा 37 गुणा बढ़ जाता है (बोज्रे का अध्ययन, 2017)। एल्कोहल उपयोग डिसऑर्डर के कारण अवसाद की संभावना कम से कम दोगुना बढ़ जाती है। कुछ वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट तैयार करवाई थी जिसे हिंसा और स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्ट का शीषर्क दिया गया था। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि डिप्रेशन या अवसाद के लिए भी एल्कोहल एक महत्त्वपूर्ण कारक है। रिपोर्ट के अनुसार एल्कोहल और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की आत्महत्या में भी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है। अमेरिका में चार में से कम से कम एक आत्महत्या में एल्कोहल की भूमिका रिपोर्ट की गई है। विभिन्न देशों में होने वाले अध्ययनों में यह महत्त्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि 50 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा और हमलों में शराब और नशीली दवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। विशेषकर युवाओं की हिंसा के संदर्भ में रिपोर्ट ने कहा है कि हिंसा होने में या उसकी संभावना बढ़ाने में शराब की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। युवा हिंसा पर स्वीडन के एक अध्ययन ने बताया कि हिंसा करने वाले लगभग 75 प्रतिशत व्यक्ति और हिंसा की मार सहने वाले लगभग 50 प्रतिशत व्यक्ति हिंसा की घटनाओं के समय नशे में पाए गए। रिपोर्ट ने कहा है कि किसी समुदाय में अपराध और हिंसा कम करने की रणनीति में शराब की उपलब्धि कम करने की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अनेक क्षेत्रों का अनुभव रहा है कि शराब के नशे के विरुद्ध जन-अभियान चलाने से इसके उपभोग में उल्लेखनीय कमी लाना निश्चित तौर पर संभव है। यह ऐसा क्षेत्र है जो सरकारों और जन-संगठनों विशेषकर महिलाओं और युवा संगठनों के सहयोग से सार्थक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया

//डॉ. दिलीप चौबे//

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षो में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोचेर् पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है।

रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सग्रेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था।

संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा। विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा। विकल्प के रूप में अमेरिका ने ऑक्स (आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) के रूप में नया गुट तैयार किया है। इसी के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुजियो किशिदा तो एशिया में सैन्य संगठन नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था कायम किए जाने के हिमायती हैं।कुछ दिन पहले रूस और चीन के बमवषर्क युद्ध विमानों ने अमेरिका के अलास्का प्रांत के पास उड़ान भरी। इन पर निगरानी रखने के लिए अमेरिका और कनाडा के युद्धक विमानों ने भी उड़ान भरी। यह घटनाक्रम अमेरिका के खिलाफ रूस और चीन की सैन्य लामबंदी का द्योतक है। हाल में रूस ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता किया है जो दक्षिण कोरिया और जापान के लिए सीधी चुनौती है।

एशिया में बदलते हुए इस परिदृश्य ने भारत की विदेश नीति के सामने बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच खटास आने से इसमें एक नया आयाम जुड़ गया है। यह विडंबना है कि ऐसा उस समय हो रहा है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी में भारतीय मूल की कमला हैरिस अग्रणी है। अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। यह द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सहायक सिद्ध होगा।

बाघों ने चुन लिया प्रकृति का सुन्दर स्थानः मध्यप्रदेश

पृथ्वी का सबसे सुंदर प्राणी बाघ है और बाघों का मध्यप्रदेश में डेरा है। इस बात पर मध्यप्रदेश के लोगों को गर्व है। ठीक उसी प्रकार जैसे भारत देश को बाघों की 3682 संख्या पर गर्व है। यह दुनिया में बाघों की कुल संख्या का 75 प्रतिशत हैं। मध्यप्रदेश के लिए सबसे खुशी की बात यह है कि यहां टाइगर रिजर्व के बाहर भी बाघों की संख्या बढ़ रही है। आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश दुनिया को बता सकता है कि मध्यप्रदेश के लोगों को अपने बाघों पर अभिमान है।

सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में : मध्यप्रदेश में बाघों की आबादी 526 से बढ़कर 785 पहुंच गई है। यह देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में चार-पांच सालों में 259 बाघ बढ़े हैं। यह वृद्धि 2010 में कुल आबादी 257 से भी ज्यादा है। वन विभाग के अथक प्रयासों और स्थानीय लोगों के सहयोग से जंगल का राजा सुरक्षित है। सभी मिलकर यही संकल्प लें कि भावी पीढ़ी के लिए प्रकृति का बेहतर संरक्षण करें और एक सहृदय भद्र पुरुष के रूप में बाघों के परिवार को फलने फूलने का अनुकूल वातावरण बनाने में सहयोग करें। बाघों की पुनर्स्थापना का काम एक अत्यंत कठिन काम था, जो मध्यप्रदेश ने दिन-रात की मेहनत से कर दिखाया।-ऐसे बना टाइगर स्टेट,बाघों की गणना हर 4 साल में एक बार होती है। वर्ष 2006 से बाघों की संख्या का आंकड़ा देखें तो वर्ष 2010 में बाघों की संख्या 257 तक हो गई थी। इसे बढ़ाने के लिए बाघों के उच्च स्तरीय संरक्षण और संवदेनशील प्रयासों की आवश्यकता थी। मध्यप्रदेश को बाघ प्रदेश बनाने की कड़ी मेहनत शुरु हुई। मानव और वन्यप्राणी संघर्ष के प्रभावी प्रबंधन के लिए 16 रीजनल रेस्क्यू स्क्वाड और हर जिले में जिला स्तरीय रेस्क्यू स्क्वाड बनाए गए। वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए वन्यप्राणी अपराध की खोज में विशेषज्ञ 16 श्वान दलों का गठन किया गया। अनाथ बाघ शावकों की रिवाल्विंग की गई है। विभिन्न प्रजातियां विशेष रूप से चीतल, गौर और बारहसिंगा का उन स्थानों पर पुनर्स्थापना किया गया, जहां वे संख्या में कम थे या स्थानीय तौर पर विलुप्त जैसे हो गए थे। राज्य स्तरीय स्ट्राइक फोर्स ने पिछले आठ वर्षों में वन्यप्राणी अपराध करने वाले 550 अपराधियों को 14 राज्यों से गिरफ्तार किया गया। इसमें से तीन विदेशी थे। संरक्षित क्षेत्र के बाहर वन्यप्राणी प्रबंधन के लिए बजट की व्यवस्था की गई। वन्य प्राणी पर्यटन से होने वाली आय की स्थानीय समुदाय के साथ साझेदारी की गई। इन सब प्रयासों के चलते बाघ संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिली। बाघ प्रदेश बनने के कारणमध्यप्रदेश के बाघ प्रदेश बनने के चार मुख्य पहलू है। पहला गांवो का वैज्ञानिक विस्थापन। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांव को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए। दूसरा है ट्रांसलोकेशन। कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसलोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन आधार बढ़ा। तीसरा है हैबिटेट विकास। जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए जिससे शाकाहारी जानवरो की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव हुआ।

पन्ना टाईगर रिज़र्व में ड्रोन से सर्वेक्षण और निगरानी रखी गई। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल कर अवैध शिकार को पूरी तरह से रोका गया। क्राइम इन्वेस्टीगेशन और पेट्रोलिंग में तकनीकी का इस्तेमाल बढ़ाया गया। इसका सबसे अच्छा उदाहरण पन्ना टाइगर रिजर्व है जिसका अपना ड्रोन स्क्वाड है। हर महीने इसके संचालन की मासिक कार्ययोजना तैयार की जाती है। इससे वन्य जीवों की लोकेशन खोजने, उनके बचाव करने, जंगल की आग का स्रोत पता लगाने और उसके प्रभाव की तत्काल जानकारी जुटाने, संभावित मानव और पशु संघर्ष के खतरे को टालने, वन्य जीव संरक्षण कानून का पालन करने में मदद मिल रही है। वन्यजीव सुरक्षा के कारण तेंदुओं की संख्या में भी मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। देश में 12 हजार 852 तेंदुए हैं। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 4100 से ज्यादा है। देश में तेंदुओं की आबादी औसतन 60त्न बढ़ी है जबकि प्रदेश में यह 80त्न है। देश में तेंदुओं की संख्या का 25त्न अकेले मध्यप्रदेश में है।

तस्वीरों की दुनिया

दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में कथित अतिक्रमण के खिलाफ एक जेसीबी का इस्तेमाल किया गया, जहां एक आईएएस कोचिंग संस्थान में तीन छात्र डूब गए।

केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने पश्चिम बंगाल के सांसदों के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने पुराने राजिंदर नगर में आईएएस कोचिंग संस्थान का दौरा किया, जहां 27 जुलाई को तीन यूपीएससी अभ्यर्थी डूब गए थे।

रांची में झारखंड विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान जल, जंगल और जमीन के मुद्दे और सरना धर्म कोड को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

आम आदमी पार्टी के विधायक और नेताओं ने नई दिल्ली में एमसीडी कमिश्नर को तत्काल निलंबित करने की मांग को लेकर एलजी हाउस के बाहर धरना दिया।

नव मनोनीत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के साथ पटना में रोड शो किया।

दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय सदन की कार्यवाही का संचालन कर रही हैं, जबकि भाजपा और आप पार्षद दिल्ली के ओल्ड राजिंदर नगर में तीन यूपीएससी उम्मीदवारों की मौत के खिलाफ एमसीडी सदन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिवपुराण कथा को नहीं मिली अनुमति, भीड़ से हादसे का डर

लोरमी, 30 जुलाई [एजेंसी]।

मध्य प्रदेश के सिहोर के प्रसिद्द कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की मुश्किलें थमने का नाम ही नहीं ले रही है। सीहोर वाले पंडित के नाम से मशहूर पंडित मिश्रा को बड़ा झटका लगा है। सावन के महीने में होने वाली उनकी कथा पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। अनुमति मिलने के बाद ही वे शिवपुराण या कोई भी कथा का आयोजन कर पाएंगे। बताया जा रहा है कि लोरमी में आयोजन समिति कि ओर से मांगी गई अनुमति को लोरमी एसडीएम ने अस्वीकार करते हुए फिलहाल रोक दिया है। उनका कहना है कि जिस जगह पर कथा का आयोजन होना है वहां पर व्यवस्था के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं। ऐसे में किसी भी तरह के हादसे की स्थिति बन सकती है। स्थानीय प्रशासन की ओर से इस मामले में छह विभागों से रिपोर्ट मांगी गई थी, इसके बाद यह फैसला लिया गया है।

गौरतलब है कि पंडित प्रदीप मिश्रा की यह कथा 2-3 अगस्त से लोरमी में होने वाली थी, इसे लेकर समिति की ओर से अध्यक्ष अनिल सलूजा ने अनुमति मांगी थी। बीते दिनों ही यूपी के हाथरस में मची भगदड़ ने पूरे देश हड़कंप मचा दिया था। कई लोगों की जान जाने के बाद प्रशासन ने अब सख्त रवैया अपनाना शुरू कर दिया है। इसके चलते अभी कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथाओं के आयोजनों पर भी रोक लगी हुई है क्योंकि पंडित मिश्रा की कथा में भी भारी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। ऐसे में भगदड़ मचने की संभावना ना बन जाए इसलिए अभी अनुमति नहीं दी गई है।

दिल्ली में आज से तीन दिन तक अच्छी बारिश होने के आसार

नईदिल्ली, 30 जुलाई [एजेंसी]।

उमस भरी गर्मी के बीच आज से तीन दिन यानी मंगलवार, बुधवार और बृहस्पतिवार को भी दिल्ली में अच्छी बरसात हो सकती है। तीनों ही दिन बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने और हल्की से मध्यम स्तर की बरसात होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। हालांकि इस मानसून में मौसम विभाग के बारिश को लेकर अधिकांश पूर्वानुमान गलत साबित हुए हैं। ऐसे में इन तीनों दिनों में यह कितना सही निकलेगा, समय आने पर ही पता चलेगा। इस बीच आज भी सुबह से ही तेज धूप निकली हुई है। उमस से लोगों का बुरा हाल है। फिलहाल बारिश होने की कोई संभावना नहीं दिख रही। न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है जबकि अधिकतम तापमान 38 डिग्री रह सकता है।

दिल्ली की घटना देश के भी शहरों के लिए चेतावनी राज्यों की राजधानियों में भी सक्रिय मास्टर प्लान नहीं

नईदिल्ली, 30 जुलाई [एजेंसी]।

दिल्ली में एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में प्रतियोगी परीक्षाओं के तीन अभ्यर्थियों की मौत ने शहरी व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। पिछले साल के अंत में शहरी विकास के संदर्भ में एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में कहा गया था कि शहरों में गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए एक अदृश्य प्रणाली जरूरी होती है, जिसके चार स्तंभ होते हैं।शहरी नियोजन यानी अर्बन प्लानिंग और डिजाइन, शहरों की अपनी क्षमता और संसाधन, पारदर्शिता और जवाबदेही तथा शक्तिशाली कानूनी विधान तथा प्रतिनिधित्व। थिंक टैंक ने इन चारों कसौटियों पर भारत के लगभग सभी पांच हजार स्थानीय निकायों को दयनीय दशा में पाया था। इसीलिए ड्रेनेज के अभाव में हुए जलभराव के कारण जैसा हादसा दिल्ली में हुआ, वैसी ही घटनाएं देश के दूसरे शहरों में भी होती रहती हैं।केंद्र सरकार ने भले ही शहरी विकास को अपनी नौ शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल किया हो, लेकिन राज्यों को अभी इस पर गौर करना बाकी है। सच्चाई यह है कि अधिकतर शहरों की स्थिति ऐसे हालात तक पहुंच चुकी है छोटे मोटे सुधारों से बदलाव संभव नहीं है। शहरी नियोजन के विशेषज्ञ संतोष नारगुड के अनुसार बुनियादी खामी शहरों की शासन प्रणाली का ही है। यह बुरी तरह बंटी हुई है। जिम्मेदारी और फैसलों का एक केंद्र ही नहीं है। यह सही है कि सुधार के लिए बहुत देर हो चुकी है, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि सब कुछ खत्म हो गया है या कोई उम्मीद ही नहीं बची। विकास प्राधिकरण और सिविक एजेंसियां मिलकर काम क्यों नहीं कर सकतीं।

यह कैसे हो सकता है कि शहरी विकास प्राधिकरण केवल प्लानिंग का काम करें और वह भी आधे-अधूरे ढंग से और एन्फोर्समेंट यानी नियम-कायदों को लागू कराने का काम प्राधिकरणों और नगर निगमों के बीच बंटा हुआ हो। हमारे शहरों का हाल तो यह है कि ट्रैफिक का बुनियादी ढांचा नगर निगम तैयार करता है और ट्रैफिक प्रबंधन पुलिस के पास होता है। बसें किसी और एजेंसी की चलती हैं। ज्यादातर जगहों पर इन एजेंसियों के बीच कोई तालमेल नहीं है।

नारगुड के अनुसार, दिल्ली की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संदर्भ में यह सामने आ रहा है कि अग्निशमन विभाग कोचिंग सेंटर को मिली एनओसी रद कर रहा है। यह गौर करने लायक है कि फायर सेफ्टी जैसी अहम सेवा को कई राज्य अपने पास बनाए हुए हैं, जबकि 1992 में किए गए 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार इसे शहरी शासन के हवाले कर देना चाहिए था। यह सामान्य सुधार भी अब तक नहीं हो सका है। शहरी नियोजन से जुड़ी एक रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली, बेंगलुरु, भोपाल और देहरादून समेत 40 प्रतिशत राज्यों की राजधानियों के पास सक्रिय मास्टर प्लान ही नहीं है।

बाहरियों को बेची गई अयोध्या की जमीन, सांसद अवधेश प्रसाद ने भूमि घोटाले की जांच की मांग की

फैजाबाद, 30 जुलाई [एजेंसी]।

समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने सोमवार को अयोध्या शहर और उसके आसपास कथित भूमि घोटाले की जांच की मांग की और दावा किया कि भाजपा ने क्षेत्र के लोगों को धोखा दिया है। लोकसभा में बजट पर बहस में भाग लेते हुए, प्रसाद ने आरोप लगाया कि भाजपा अयोध्या के नाम पर राजनीति और व्यापार में लगी हुई है और इसलिए, शहर के लोगों ने भगवा पार्टी को खारिज कर दिया है। प्रसाद पिछले आम चुनाव में उत्तर प्रदेश के फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे जिसके अंतर्गत अयोध्या आता है। उन्होंने दावा किया, बजट में अयोध्या और उत्तर प्रदेश का कोई जिक्र नहीं है। भाजपा ने अयोध्या के नाम पर केवल राजनीति और व्यापार किया है। भाजपा ने अयोध्या के लोगों को चोट पहुंचाई है।राम मंदिर के निर्माण के दौरान मंदिर शहर और उसके आसपास कथित भूमि घोटाले की जांच की मांग करते हुए, सपा नेता ने कहा कि संसद को कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति का गठन करना चाहिए और रिपोर्ट सदन में पेश की जानी चाहिए।

देश के लोगों को पता होना चाहिए कि कैसे अयोध्या के लोगों को धोखा दिया गया, कैसे अयोध्या को नष्ट किया गया और कैसे बुलडोजर का उपयोग करके इमारतों को नष्ट कर दिया गया। प्रसाद ने दावा किया कि भाजपा देश से सफाया हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी 2027 में यूपी में और 2029 में पूरे देश में हार जाएगी। बहस में भाग लेते हुए, भाजपा नेता विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि एक गरीब का बेटा होने के नाते मोदी देश के गरीब लोगों का दर्द समझते हैं और इसलिए वे वंचित लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

छोरों से कम नहीं हरियाणा की छोरियां, सात सहेलियां लाईं सातवीं कांवड, खुशी लेकर आई 31 लीटर गंगाजल

मुज़फ़्फरनगर, 30 जुलाई [एजेंसी]।

खेल के मैदान पर छोरों को पछाड़ने वाली हरियाणा की बेटियां कांवड़ यात्रा में भी पीछे नहीं है। पांच से 51 लीटर तक गंगा जल की कांवड़ उठाकर शिवालयों की ओर बढ़ रही हैं। गंगाजल लेकर शिवालयों की ओर बढ़ रहीं कांवड़ियों का कहना है कि भोले शंकर ने उनकी राह आसान कर दी है। शहर के शिव चौक पर पहुंची हरियाणा के फरीदाबाद निवासी खुशी 31 लीटर गंगाजल लेकर आई हैं। वह कहती हैं कि करीब तीन सौ किमी की यात्रा है। साथ में परिवार के गौरव, राहुल और सोनू भी है। बिना किसी मन्नत के वह बाबा की मर्जी से कांवड़ लाए हैं। गंगाजल लेकर पहुंची भिवानी की संतोष कहती हैं कि पहली बार कांवड़ लाई हैं। पहले उसके भाई यात्रा करते थे, लेकिन इस बार उसका भी मन हरिद्वार पहुंचने का हुआ। भगवान शिव ने उनकी हर मनोकामना पूरी की है। परिवार में सुख शांति है। दृढ इच्छा शक्ति हो तो को भी मुश्किल आपकी राह नहीं रोक सकती। फरीदाबाद की सरिता कहती हैं कि कांवड़ यात्रा संकल्प के साथ शुरू की थी। भगवान शिव ने सारी थकान दूर कर दी है। यात्रा में किसी तरह की मुसीबत सामने नहीं आई है। कोई विशेष मन्नत नहीं मांगी है।अपनी बहन लक्ष्मी के साथ दिल्ली निवासी टीना भी 11 लीटर की कलश कांवड़ लेकर पहुंची। उन्होंने बताया कि वह दोनों बहने पहली बार कांवड़ लेकर आई है। अपने परिवार की खुशी और बाबा की भक्ति के लिए कांवड़ उठाई है।दिल्ली निवासी महिला राजकुमारी अपनी बेटी राधिका के साथ कांवड़ ला रही है। उन्होंने बताया कि घर की सुख समृद्धि और बच्चों की खुशी के लिए वह कांवड़ लेकर आई है। उन्होंने हरिद्वार से गंगा जल उठाया है। बाबा के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे है। सात सहेलियां कांवड़ लेकर भोपा कांवड़ सेवा शिविर में पहुंची। सैनिक परिवार से ताल्लुक रखने वाली हरियाणा के पलवल की ऊषा (70) इस बार अपनी सातवीं कांवड़ चढ़ाएंगीं। वह कहतीं हैं कि भोले बाबा ने परिवार को सब कुछ दिया है। इस बार उसकी सातवीं कांवड़ वतन की आन-बान-शान को समर्पित है। पलवल जिले के गांव बोराका निवासी उषा ने बताया कि उसके पति सवाचंद सेना से सेवानिवृत हैं। तीन बेटे मुकेश, पवन, पुष्पेंद्र हैं। दो बेटे मुकेश व पवन अमेरिका में रहते हैं।

तीसरा बेटा पुष्पेंद्र इंजीनियर है। बुधवार को वह अपनी सहेली बिमला, कमला, श्यामवती, जयदेई, बती, रामादेवी के साथ सेवार्थ क्लब व ग्रामीणों के सहयोग से लगाए गए भोपा शिविर में पहुंचीं। उनका कहना है कि भोलेनाथ ने उसे भरा पूरा परिवार अच्छा स्वास्थ्य दिया है। वह अब तक अपने भोलेनाथ के नाम से साथ कांवड़ चढ़ा चुकी हैं। इस बार वह वतन की रक्षा करने वाले समस्त सैनिकों व वतन की आन-बान-शान के लिए कांवड़ चढ़ा रहीं हैं। सभी महिला कांवड़ियां किसान परिवार से हैं और खेती में हाथ बंटातीं हैं। शिविर में मास्टर श्रीपाल महाराज, दिनेश लाला,सोम प्रजापति, मिंटू सैनी आदि ने स्वागत किया।

पटना बम ब्लास्ट के एनआईए गवाह का परिवार दहशत के साये में जीने को विवश

परिवार के साथ घर छोड़ने को मजबूर, लिखा मकान बिकाऊ है

मीरजापुर, 30 जुलाई [एजेंसी]।

पटना बम ब्लास्ट का गवाह और उनका पूरा परिवार दबंगो के खौफ से सहमा हुआ है। डरे सहमें परिवार के साथ घर छोड़ने को मजबूर हैं। दबंगो का खौफ ऐसा कि मकान बिकाऊ करने का घर पर फैलक्स लगाया है। सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सुरक्षा की गुहार लगाई गुहार है। आरोप है कि पटना बम ब्लास्ट के दोषी और पड़ोस का ही एक दबंग अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति उन्हें और उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सजा काटकर लौटे आरोपियों के डर से वह घर छोड़ने को मजबूर हैं। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग लगाई है हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी एनआईए के गवाह को सुरक्षा नहीं मिल रही है। यह पूरा मामला कटरा कोतवाली के छोटा मिर्जापुर मोहल्ले का बताया जा रहा है। बताते चलें कि पटना में 11 साल पहले हुए सीरियल बम ब्लास्ट के मामले में उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से भी एनआईए ने कई को पकड़ा था। जिसमें दो आरोपी फखरुद्दीन और अहमद हुसैन भी थे जो एक 8 साल दूसरा 10 साल की सजा काटकर घर लौटे हैं। इनके डर से एनआईए के गवाह शेख खुर्शीद परिवार के साथ घर छोड़ने को मजबूर है। अपने मकान पर फ्लेक्स लगाकर मकान बिकाऊ लिख दिया है। सोमवार को जिला मुख्यालय पहुंच कर परिवार सहित जिलाधिकारी को पत्रक देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है, कहां है यदि सुरक्षा नहीं मिलती है तो परिवार के साथ पलायन करने को मजबूर होंगे। बच्चों को पहले ही बाहर भेज दिया हैं। साथ ही आरोप लगाया है जब से दोनों पटना बम ब्लास्ट के आरोपी छूट कर आये हैं तब से मोहल्ले के कुछ अराजकतत्वों द्वारा आये दिन परिवार के साथ मारपीट करते हैं जान से मारने की धमकी देते हैं, बोलते हैं पुलिस का मुखवीर है। कई बार पुलिस से शिकायत की गई केवल कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति किया जाता है पूरा परिवार डरा सहमा है। थाने की पुलिस भी आरोपियों के पक्ष में रहती है।

माता प्रसाद को यूपी में नेता प्रतिपक्ष बनाये जाने से मायावती नाराज

लखनऊ, 30 जुलाई [एजेंसी]।

समाजवादी पार्टी द्वारा यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को बनाए जाने से बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती नाराज हो गई हैं। बहनजी, इस बात से खुश नहीं हैं कि पीडीए की बात करने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव अगड़ों की राजनीति कर रहे हैं। मायावती ने अखिलेश के फैसले को लेकर आपत्ति जताते हुए उन पर पीडीए को गुमराह करने का आरोप लगायाहै। मायावती ने कहा कि सपा में एक जाति विशेष को छोड़कर बाकी पीडीए केलिए कोई जगह नहीं। मायावती ने आज सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'सपा मुखिया नेलोकसभा आम चुनाव में खासकर संविधान बचाने की आड़ में यहां पीडीए को गुमराहकरके उनका वोट तो जरूर ले लिया, लेकिन यूपी विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता बनानेमें जो इनकी उपेक्षा की गई यह भी सोचने की बात है, जबकि सपा में एक जातिविशेष को छोड़कर बाकी पीडीए के लिए कोई जगह नहीं है। ब्राह्मण समाज कीतो कतई नहीं क्योंकि सपा व भाजपा सरकार में जो इनका उत्पीड़न व उपेक्षा हुई हैवह किसी से छिपा नहीं। वास्तव में इनका विकास एवं उत्थान केवल बीएसपी सरकार में हीहुआ।

अतः ये लोग जरूर सावधान रहें।' गौरतलब हो, अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पांडेय को यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष घोषित किया है। अखिलेश ने पूर्वांचल से आने वाले ब्राह्मण चेहरे पर दांव लगा यूपी विधानसभा उपचुनाव में समीकरण साधने की कोशिश की है। वह सात बार के विधायक हैं। साथ ही विधानसभाअध्यक्ष का पद भी संभाल चुके हैं। वह वर्तमान में सिद्धार्थनगर की इटवा विधानसभासीट से विधायक हैं।

शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर चिंता जताई

नईदिल्ली, 30 जुलाई [एजेंसी]।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में मणिपुर जैसी अशांति की आशंका पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि देश के विकास के लिए सामाजिक एकता जरूरी है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह ऐसा क्यों सोचते हैं। रविवार शाम को सामाजिक एकता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने मणिपुर में जातीय संघर्ष से निपटने के केंद्र सरकार के तरीके की भी आलोचना की। मणिपुर में पिछले साल मई में शुरू हुए जातीय संघर्ष में अब तक 200 से अधिक लोग मारे गए हैं। पवार ने कहा, ''हमारे देश के विकास और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सामाजिक एकता आवश्यक है। तनाव और विभाजन की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। देश में बढ़ते मतभेद के लिए जाति, धर्म और से परे एकता की आवश्यकता है। सामाजिक एकता को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सरकार की है।''उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश सरकार इन मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। मणिपुर में पिछले साल मई से ही बहुसंख्यक मेइती समुदाय और कुकी आदिवासियों के बीच बड़े पैमाने पर हिंसा हुई।

मानहानि मामले में मेधा पाटकर की सजा पर रोक, कोर्ट ने एलजी वीके सक्सेना को नोटिस भेज मांगा जवाब

नईदिल्ली, 30 जुलाई [एजेंसी]।

मानहानि मामले में दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर की अपील पर सोमवार को एलजी वीके सक्सेना को नोटिस भेजा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने सक्सेना को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सक्सेना की ओर से अधिवक्ता गजिंदर कुमार ने नोटिस लिया। मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को है। इस बीच, अदालत ने 25,000 रुपये के बांड और इतनी ही राशि की जमानत राशि जमा करने पर मेधा पाटकर को जमानत दे दी और सजा पर रोक लगा दी। पाटकर ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। इससे पहले एक जुलाई को दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता और नर्मदा बचाओ आंदोलन (एनबीए) की नेता मेधा पाटकर को वीके सक्सेना द्वारा दायर मानहानि मामले में पांच महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई थी।

सक्सेना ने 2001 में मामला दर्ज कराया था। साकेत कोर्ट के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने सजा सुनाते हुए पाटकर को सक्सेना की प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए 10 लाख रुपये के मुआवजे का भी आदेश दिया था। अधिवक्ता गजिंदर कुमार, किरण जय, चंद्र शेखर, दृष्टि और सौम्या आर्य ने सक्सेना की ओर से कोर्ट में पैरवी की। गजिंदर कुमार ने तब आईएएनएस को बताया था कि अदालत से अनुरोध किया गया था कि मुआवजे की राशि दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को आवंटित की जाए। अदालत ने 24 मई को पाटकर को आईपीसी की धारा 500 के तहत आपराधिक मानहानि का दोषी पाया था।

सक्सेना ने पाटकर के खिलाफ 2001 में मामला दर्ज किया था, जब वे अहमदाबाद स्थित एनजीओ नेशनल काउंसिल फॉर सिविल लिबर्टीज के प्रमुख थे। मेधा पाटकर का कहना था कि विज्ञापन प्रकाशित कर सक्सेना उनके और एनबीए की छवि खराब करना चाहते हैं। जवाब में, सक्सेना ने पाटकर के खिलाफ दो मानहानि के मामले दर्ज किए- एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान उनके बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए, और दूसरा पाटकर द्वारा जारी प्रेस बयान के लिए।

मोदी सरकार की अनदेखी से नाराज वृद्ध ईपीएस -95 पेंशनर जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

- आर-पार की संघर्ष का ऐलान
- देश भर से लाखों पेंशनर्स धरने में होंगे शामिल

नईदिल्ली, 30 जुलाई [एजेंसी]।

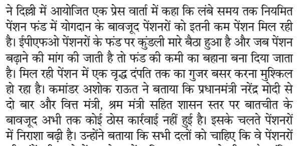

वृद्ध पेंशनरों की समस्याओं की अनदेखी से नाराज होकर ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने 31 जुलाई को जंतर मंतर पर आर-पार की लड़ाई के तहत धरना देने की घोषणा की है। पिछले 8 वर्षों से देशभर के 78 लाख पेंशनर न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं की है। वर्तमान में पेंशनरों को औसतन केवल रु. 1450/- मासिक पेंशन मिल रही है, जबकि 36 लाख पेंशनरों को तो रु. 1000/- से भी कम पेंशन पर गुजारा करना पड़ रहा है। कमांडर राऊत ने कहा है कि अब हम उन राजनीतिक दलों को समर्थन देंगे, जो हमारी समस्याओं को सुलझाने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा, हमारा संघर्ष जारी रहेगा और हम अपनी मांगें पूरी करवाकर रहेंगे। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति के अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि लंबे समय तक नियमित पेंशन फंड में योगदान के बावजूद पेंशनरों को इतनी कम पेंशन मिल रही है। ईपीएफओ पेंशनरों के फंड पर कुंडली मारे बैठा हुआ है और जब पेंशन बढ़ाने की मांग की जाती है तो फंड की कमी का बहाना बना दिया जाता है। मिल रही पेंशन में एक वृद्ध दंपति तक का गुजर बसर करना मुश्किल हो रहा है। कमांडर अशोक राऊत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दो बार और वित्त मंत्री, श्रम मंत्री सहित शासन स्तर पर बातचीत के बावजूद अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसके चलते पेंशनरों में निराशा बढ़ी है। उन्होंने बताया कि सभी दलों को चाहिए कि वे पेंशनरों की मांगें पूरी करने में सहयोग करें ताकि वृद्ध जन अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में सम्मान से जी सकें। राष्ट्रीय संघर्ष समिति के अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में विधानसभा चुनाव से पहले उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। बता दें कि महाराष्ट्र में 13 लाख निवृत्त परिवारों और डेढ़ करोड़ कार्यरत परिवारों का समर्थन समिति के साथ है। ऐसे में विधानसभा चुनाव परिणामों पर इसका असर पड़ सकता है। वीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रतिदिन दोनों सदनों में अनेक सांसदों द्वारा ईपीएस-95 पेंशन बढ़ाने की मांग की जा रही है और इस पर प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं परंतु श्रम मंत्रालय द्वारा गोल-गोल जवाब देकर सदन को भ्रमित किया जा रहा है सभी दलों चाहे पक्ष हो या विपक्ष उनकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि देश के लाखों वृद्ध पेंशनरो की मानवीय आधार पर न्यूनतम पेंशन 7500 रुपए महीना, महंगाई भत्ता एवं मुफ्त चिकित्सा के साथ ही सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार बिना किसी भेदभाव के पेंशनर्स को उच्च पेंशन का लाभ दिलवाने में सहयोग करें ताकि वृद्ध जन अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में सम्मान सहित और कुछ वर्षों तक जी सके। राष्ट्रीय सचिव रमेश बहुगुणा ने कहा, समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 और 30 जुलाई को दिल्ली में हो रही है, जिसमें पेंशनरों की मांगों पर चर्चा की जाएगी।

बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों व इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए उन्नत प्रणाली की खरीद को मंजूरी

नईदिल्ली, 30 जुलाई [एजेंसी]।

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल की क्षमता में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसके अंतर्गत भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों को बेहतर किया जाएगा। दूसरी ओर तटरक्षक बलों की इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए भी आधुनिक प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह निर्णय सोमवार को हुई एक बैठक में लिए गए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को हुई। दिल्ली में हुई इस बैठक में विभिन्न पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों पर विचार किया गया। बैठक में भारतीय सेना के बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) के लिए उन्नत भूमि नौवहन प्रणाली (एएलएनएस) की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि उच्च स्तर के एन्क्रिप्शन के साथ यह प्रणाली स्पूफ-प्रुफ है। एएलएनएस एमके-।। रक्षा श्रृंखला मानचित्रों के साथ अनुकूलता प्रदान करता है। इसके परिणामस्वरूप एएफवी के लिए नौवहन संबंधी अनुप्रयोगों में बहुत अधिक सटीकता होती है। यह उपकरण चेन्नई स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से खरीदा जाएगा। यह भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित (आईडीडीएम) श्रेणी के तहत खरीदा जाएगा।

जिम जाते हैं, लेकिन प्रोटीन डाइट नहीं लेते... जानें ऐसा करने पर क्या होता है

बहुत से लोग जिम में घंटों मेहनत करते हैं और पसीना बहाते हैं, लेकिन अपनी डाइट में पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेते. क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ेगा? अगर आप सही मात्रा में प्रोटीन नहीं लेते, तो आपकी मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं और आपकी मेहनत का पूरा फायदा नहीं मिल पाता. आइए जानते हैं कि प्रोटीन की कमी से आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है और इसके लिए क्या करें.

प्रोटीन क्यों जरूरी है?

प्रोटीन हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है. जब आप जिम में वर्कआउट करते हैं, तो आपकी मांसपेशियों में टूट-फूट होती है. प्रोटीन इन मांसपेशियों को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करता है. अगर आप पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेंगे, तो आपकी मांसपेशियां ठीक से नहीं बन पाएंगी और कमजोर हो सकती हैं.

प्रोटीन की कमी के नुकसान

* मांसपेशियों की कमजोरी: प्रोटीन की कमी से आपकी मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं. इससे आपकी ताकत कम हो जाएगी और आप जल्दी थक जाएंगे.

* थकान और कमजोरी: पर्याप्त प्रोटीन नहीं लेने से आपको जल्दी थकान महसूस होगी और आपकी ऊर्जा कम हो जाएगी.

* रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होना: प्रोटीन आपकी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है. इसकी कमी से आप जल्दी बीमार पड़ सकते हैं.

* वजन कम करने में दिक्कत: अगर आपका लक्ष्य वजन कम करना है, तो प्रोटीन की कमी इसे मुश्किल बना सकती है. प्रोटीन से भरपूर आहार आपकी भूख को नियंत्रित करने और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है.

जिम में वर्कआउट करने वालों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी है, क्योंकि यह मांसपेशियों की मरम्मत और बड़े में मदद करता है. हर उम्र और लिंग के हिसाब से प्रोटीन की जरूरत अलग-अलग होती है. आइए जानते हैं कि किसे कितनी प्रोटीन लेनी चाहिए.

18-30 साल

मेल: इस उम्र में मेल्स को लगभग 1.6 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए. अगर आपका वजन 70 किलो है, तो आपको लगभग 112 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए.

फीमेल: फीमेल्स को इस उम्र में लगभग 1.4 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए. अगर आपका वजन 60 किलो है, तो आपको लगभग 84 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए।

31-50 साल

मेल: इस उम्र में मेल्स को लगभग 1.4-1.6 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए. अगर आपका वजन 70 किलो है, तो आपको लगभग 98-112 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए.

फीमेल: फीमेल्स को इस उम्र में लगभग 1.2-1.4 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए. अगर आपका वजन 60 किलो है, तो आपको लगभग 72-84 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए.

50 साल से ऊपर

मेल: इस उम्र में मेल्स को लगभग 1.2-1.5 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए। अगर आपका वजन 70 किलो है, तो आपको लगभग 84-105 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए.

फीमेल: फीमेल्स को इस उम्र में लगभग 1.0-1.2 ग्राम प्रोटीन प्रति किलोग्राम शरीर वजन के हिसाब से लेना चाहिए. अगर आपका वजन 60 किलो है, तो आपको लगभग 60-72 ग्राम प्रोटीन रोजाना लेना चाहिए.

प्रोटीन के अच्छे स्रोत

* अंडे: एक अंडे में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है.
* चिकन: 100 ग्राम चिकन में लगभग 31 ग्राम प्रोटीन होता है.
* मछली: 100 ग्राम मछली में लगभग 20-25 ग्राम प्रोटीन होता है.
* दाल: एक कप दाल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है.
* नट्स और बीज: एक मुट्ठी नट्स में लगभग 5-7 ग्राम प्रोटीन होता है.
* दूध और दूध से बने उत्पाद: एक कप दूध में लगभग 8 ग्राम प्रोटीन होता है.

रनिंग के दौरान इतनी होनी चाहिए आपकी हार्ट बीट, ज्यादा बढ़े तो हो जाएं सावधान

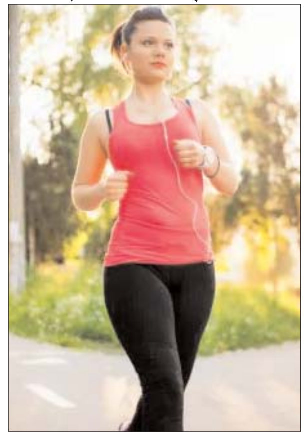

रनिंग सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है. इससे ओवरऑल हेल्थ पर असर पड़ता है. हालांकि, दौड़ते समय कुछ चीजों की अनदेखी परेशानियां भी खड़ी कर सकती है. दरअसल, दौड़ते समय शरीर को ज्यादा एनर्जी और ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है. इसे पूरी करने के लिए दिल तेजी से काम करने लगता है, जिससे हार्ट बीट यानी हार्ट रेट बढ़ जाती है.

कई बार ज्यादा बढ़ी हार्ट बीट खतरनाक भी हो जाती है. ऐसे में तुरंत सावधान हो जाना चाहिए. जानिए रनिंग करते समय हार्ट रेट कितनी होनी चाहिए...

दौड़ते समय हार्ट बीट क्यों बढ़ जाती है

रनिंग करते समय मांसपेशियों को ज्यादा एनर्जी और ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है. तब दिल, ब्लड को तेजी से पंप करने लगता है. रनिंग के दौरान सांस भी तेजी से लेते हैं, जिससे फेफड़ों में ज्यादा ऑक्सीजन आने लगता है और ब्लड सेल्स से तेजी से शरीर के बाकी हिस्सों तक पहुंच जाता है. इसके अलावा रनिंग करते समय शरीर का तापमान भी बढ़ता है, जिसे मेंटेन रखने के लिए दिल तेजी से ब्लड पंप करता है. रनिंग तनाव हार्मोन को बढ़ाते हैं, जिससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है.

रनिंग के दौरान हार्ट बीट कितनी होनी चाहिए

एक्सपर्ट्स का कहना है कि आपकी रनिंग क्षमता से ही हार्ट रेट का पता लग सकता है. रनिंग के दौरान हार्ट रेट कितना होना चाहिए, यह आपकी उम्र और इंटेंसिटी पर डिपेंड करता है. रनिंग के दौरान हार्ट रेट का पता लगाने के लिए अपनी उम्र को 220 से घटा दें. ज्यादातर लोगों का हार्ट बीट 60-100 बीपीएम होता है. हार्ट रेट मॉनिटर से भी हार्ट बीट को ट्रैक कर सकते हैं.

रनिंग करते समय हार्ट बीट कम कैसे रखें

1. दौड़ने की शुरुआत धीरे-धीरे करें और धीरे-धीरे ही अपनी स्पीड बढ़ाएं.
2. रनिंग से पहले और बाद में स्ट्रेचिंग करना न भूलें.
3. पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं.
4. रनिंग करते समय थकान, दर्द या चक्कर आने पर स्लो या रुक जाएं.

उम्र के अनुसार इतना होना चाहिए हार्ट रेट

रिपोर्ट के अनुसार एक्सरसाइज के दौरान अधिकतम हार्ट रट को 50त्न से 85त्न के बीच तक पहुंच सकता है. उनकी कैलुकेशन के अनुसार किसी व्यक्ति को आयु को लगभग 220 हार्ट बीट प्रति मिनट से घटाकर आपको अधिकतम हार्ट रेट प्राप्त होता है. उदाहरण के तौर पर 20 साल के युवा का अधिकतम हार्ट रेट 220 - 20 = 200 बीपीएम होगा आगे आपको एएचए के अनुसार एक्सरसाइज के दौरान अनुमानित हार्ट रेट को बताया गया है.

शर्लिन चोपड़ा ने ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा को फॉलो करने वाले जानते हैं कि वो अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए कितनी फेमस हैं. हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो वायरल हो रहीं.

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ग्लैरमस एक्ट्रेस हैं और वो खुलकर बोलती हैं कि अगर इंडस्ट्री में टिकना है तो उन्हें ऐसा अंदाज रखना होगा. हाल ही में उनकी ब्लू ड्रेस वाली तस्वीरें आईं जिसे फैंस पसंद कर रहे हैं.

40 वर्षीय एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक अंदाज और बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें देख फैंस आहें भरने लगते हैं.

शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं. ब्लू रंग की वन पीस ड्रेस में शर्लिन बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं. उनके इसी अंदाज के तो फैंस दीवाने हैं.

तस्वीरें शेयर करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने लिखा, उसकी आंखे खुद के शब्दाकोष बनाती हैं...सीखने के लिए कितनी सुंदर भाषा है.

इसके साथ ही शर्लिन चोपड़ा ने अलग-अलग पोज में कई तस्वीरें शेयर की हैं. इन तस्वीरों पर फैंस के एक से बढ़कर एक कमेंट्स भी कर रहे हैं. इंस्टाग्राम पर शर्लिन चोपड़ा के 16 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं. यहां शर्लिन अक्सर ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो शर्लिन चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी. बाद में शर्लिन को बॉलीवुड फिल्मों में काम करने का मौका मिला. शर्लिन चोपड़ा ने अब तक कामसूत्रा, रेड स्वास्तिक, वजह तुम हो, नॉटी बॉय, टाइम पास, जवानी दीवानी, रकीब और गेम जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं.

विजय एंटनी की काव्यात्मक एक्शन फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

विजय मिल्टन द्वारा निर्देशित विजय एंटनी की अगली फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। कुछ दिन पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर में निर्माताओं ने कहा था कि फ़िल्म जुलाई में रिलीज़ होगी, लेकिन तारीख़ नहीं बताई। अब 2 अगस्त को रिलीज़ होने की पुष्टि हो गई है। कमल बोरा, डी. ललिता, बी. प्रदीप और पंकज बोरा इस फ़िल्म को इनफिनिटी फ़िल्म वेंचर्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह कंपनी इससे पहले राघवन और विजय एंटनी अभिनीत हथिया का निर्माण कर चुकी है। निर्देशक विजय मिल्टन काव्यात्मक एक्शन एंटरटेनर शैली में फ़िल्म तूफ़ान बना रहे हैं। निर्माताओं ने घोषणा की है कि वे 2 अगस्त को दुनिया भर में फिल्म तूफ़ान को एक भव्य थिएटर रिलीज़ के लिए ला रहे हैं। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसने उस समाज का भविष्य बदल दिया जो उसे नीची नज़र से देखता था। फिल्म एक द्वीप पर आधारित है, और इसकी शूटिंग अंडमान और दीव दमन में की गई थी। फिल्म तूफ़ान से रिलीज़ हुए गानों और ट्रेलर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

बैड न्यूज की फिर बढ़ी कमाई, 50 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब पहुंची फिल्म

विक्की कौशल, एमी विर्क और तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज का क्रेज उतरने का नाम नहीं ले रहा है. फिल्म 19 जुलाई को वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी और तब से हर दिन बॉक्स ऑफिस पर दमदार कलेक्शन कर रही है. हालांकि पिछले दो दिन में बैड न्यूज की कमाई घटती नजर आई थी लेकिन दूसरे शनिवार को एक बार फिल्म का कलेक्शन बढ़ गया है. सैकनिल्क के आंकड़ों पर नजर डाले तो बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर 8.3 करोड़ रुपए से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 10.25 करोड़, तीसरे दिन 11.15 करोड़ और चौथे दिन 3.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था. बैड न्यूज ने पांचवें दिन 3.75 करोड़, छठे दिन 3.15 करोड़ और सातवें दिन 2.15 करोड़ रुपए कमा लिए थे. वहीं अब नवें दिन भी विक्की कौशल की फिल्म ने करोड़ों छाप लिए हैं. आनंद तिवारी के डायरेक्शन में बनी फिल्म बैड न्यूज ने सेकेंड सैटर्ड को कुल 3.25 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है. अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कुल कलेक्शन 48.25 करोड़ रुपए हो गया है यानी फिल्म 50 करोड़ क्लब में शामिल होने के बेहद करीब है. बैड न्यूज के बाद विक्की कौशल पीरियड-ड्रामा फिल्म छावा में नजर आएंगे. फिल्म में एक्टर छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाने वाले हैं. वहीं तृप्ति डिमरी के पास भूल भूलैया 3 और धड़क 2 जैसी फिल्में पाइपलाइन में हैं. इसके अलावा एमी विर्क के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर अक्षय कुमार स्टारर फिल्म खेल-खेल में दिखाई देंगे.

सिनेमाघरों में डंटकर खड़ी है कल्कि 2898 एडी, 31वें दिन भी बटोरे दर्शक

निर्देशक नाग अश्विन की साइंस-फिक्शन डायस्टोपियन फिल्म कल्कि 2898 एडी ने अपनी शुरुआत से ही रिकॉर्ड स्थापित करते हुए वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर भारी प्रभाव डाला है। प्रभास, दीपिका पदुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे शानदार कलाकारों से सजी यह फिल्म भारत में प्रतिष्ठित 1000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने की राह पर है। फिल्म की रिलीज को 31 दिन पूरे हो गए हैं। बावजूद इसके यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबर्दस्त पकड़ बनाए हुई है।

नई रिलीज से प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद कल्कि 2898 एडी ने विशेष रूप से सिंगल-स्क्रीन सिनेमाघरों में मजबूत पकड़ बनाए रखी है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी यह फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में रिलीज हुई है। 600 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म का धमाल 31वें दिन भी बरकरार है।

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं को मिलाकर 95.3 करोड़ रुपये की ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म ने 30 दिन में कुल 625.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 31वें दिन 2.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म की अब तक की कुल कमाई 627.85 करोड़ रुपये हो गई है।

'कल्कि 2898 एडी' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे हफ्ते इसने 128.5 करोड़ रुपये बटोरे, तीसरे में 56.1 करोड़ रुपये, चौथे में 24.4 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म ने पहले ही 1000 करोड़ रुपये की वैश्विक कमाई को पार कर लिया है। पिछले साल, केवल दो भारतीय फिल्मों ने यह उपलब्धि हासिल की, जिसमें शाहरुख खान की ही दोनों फिल्में जवान और पठान शामिल थीं।

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित कल्कि 2898 एडी एक साइंस फिक्शन डायस्टोपियन गाथा है। फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी सहित कई कलाकार शामिल हैं। 2898 ईस्वी के सुदूर भविष्य पर आधारित, यह कथानक भविष्य की प्रयोगशाला के निर्माण, एसयूएम-80 से एक अजन्मे बच्चे कल्कि की रक्षा करने के मिशन के इर्द-गिर्द घूमता है। निर्माताओं ने दूसरे पार्ट का एलान कर दिया है। साथ ही निर्माता जल्द ही इस पर काम शुरू करने वाले हैं।

बॉक्स ऑफिस पर धनुष की रायन ने मचाया तहलका

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार धनुष की जबरदस्त एक्शन फिल्म रायन सिनेमाघरों में रिलीज होते ही चर्चा में आ गई। फिल्म को लेकर लोगों के बीच काफी समय से बज बना हुआ था। वहीं 100 करोड़ के बजट में बनी इस साउथ फिल्म में धनुष ने अपने खतरनाक एक्शन अवतार से एक बार फिर अपने फैंस का दिल जीत लिया है। बतौर डायरेक्टर और लीड एक्टर बन धनुष एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर छा गए हैं। फिल्म को दर्शकों से बहुत ही बेहतरीन रिव्यू मिल रहे हैं। इसी बीच फिल्म रायन के दूसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन भी सामने आ चुका है। वहीं दूसरे दिन धनुष ने अपनी ही दूसरी फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। धनुष की एक्शन ड्रामा फिल्म रायन में रोमांस, एक्शन और सस्पेंस को साथ में दर्शकों के सामने बहुत ही अच्छे से पेशा किया है। बता दें कि यह फिल्म एक्टर के द्वारा निर्देशित की गई दूसरी सुपरहिट फिल्मों में से एक है।

शब्द सामर्थ्य -133

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, डर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बर्बादी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

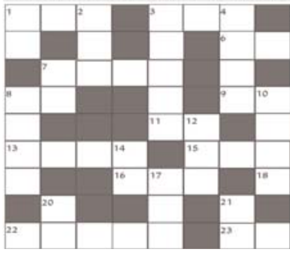

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 132 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		ख	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

महिला स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधानों में कमी पर अपूर्वा अरोड़ा ने जताई चिंता

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में दिखने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने महिलाओं के लिए उचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की है। पीसीओडी (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) से जूझने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद महिलाओं को समर्पित शोधों की कमी है। पीसीओडी एक हार्मोन से जुड़ी बीमारी है, जिसमें महिलाओं में सामान्य फर्टिलिटी साइकिल बाधित हो जाता है। एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए अपूर्वा ने कहा, (महिला शरीर के बारे में) समझ में यह कमी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर गलत असर डालता है। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, और अगर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल रही है, तो यह एक समाज के रूप में हमारी प्रगति पर सवाल उठाता है। एक्ट्रेस ने कहा, पारंपरिक रूप से, महिलाओं को अधिकार वाले पदों पर कम प्रतिनिधित्व दिया गया है और अक्सर उन्हें उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए मान्यता नहीं मिली है। स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक समानता हासिल करने और सभी की जरूरतें पूरी करने के लिए इन मुद्दों पर काम करना महत्वपूर्ण है, जो आम तौर पर छोटे कदम लगते हैं।

जनसमस्या निवारण शिविर

मौके पर हुआ 7 आवेदनों को निराकरण

कोरिया। नगरीय प्रशासन विकास विभाग के निर्देशानुसार कोरिया जिले में आज नगर पालिका परिषद शिवपुर-चरचा के वार्ड क्रमांक 01 में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। बता दें जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 10 जुलाई से जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अब नगरीय निकायों में रहने वाले आम लोगों की भागीदारी और उनकी मांगे, समस्याओं और जरूरतों के लिए बैकुण्ठपुर नगर पालिका परिषद एवं शिवपुर-चरचा के वार्डो में भी जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज सामुदायिक भवन शिवपुर-चरचा के वार्ड क्रमांक 01 में शिविर का आयोजन किया गया। लगभग 15 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें नल कनेक्शन, साफ-सफाई, राशन कार्ड, विधवा पेंशन, नक्शा बटांकन, आय, निवास, जाति, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर 7 आवेदनों का निराकरण भी किया गया तथा बाकी आवेदनों को परीक्षण उपरांत निराकरण की कार्यवाही की जायेगी।

स्कूल को बना दिया धोबी घाट

कालरी प्रबंधन की गंभीर लापरवाही.... बेहतर शिक्षा के 40 वर्षों के गौरवशाली इतिहास सिर्फ यादों में......

कोरिया चरचा कालरी। एसईसीएल चरचा कालरी प्रबंधन द्वारा संचालित सेशन स्मृति इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल मैं पढ़ाई के जगह कपड़े धोने का काम किया जा रहा है अप्रत्यक्ष रूप से यह स्कूल धोबी घाट बन गया है जहां विद्यार्थियों के लिए पढ़ने वाली कक्षाओं में एक प्राइवेट कंपनी जे.एम.एस के द्वारा द्वारा प्रतिदिन सैकड़ो लोगों के कपड़े सैकड़ो लोगों के कपड़े धोने का काम किया जा रहा है कपड़े धोने के कार्य हेतु प्रबंधन से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई स्कूल परिसर के स्कूल परिसर के तीन कमरों में कपड़े धोए जा रहे थे और काफी मात्रा में कपड़ों को परिसर में सूखने के लिए टांगा भी गया था वहां काम कर रहे कर्मचारियों ने कहा यह भवन हमने किराए में लिया है जबकि विद्यालय के प्राचार्य का कहना था कि अक्सर चोरी होती है इसलिए सुरक्षा की दृष्टि से रहने के लिए दिया गया है।

देश में शिक्षा के समुचित विकास हेतु बेहतर प्रयास किया जा रहे हैं इसी क्रम में कोल इंडिया के द्वारा भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है किंतु यह दुर्भाग्य है कि चरचा क्षेत्र में विगत 40 वर्षों से अनवरत संचालित सेशन मेमोरियल इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल को अचानक बंद कर दिया गया जबकि यह स्कूल सर्व

सुविधा वाले स्थल ऑफीसर कॉलोनी में स्थित है जहां कालरी के सभी बड़े जिम्मेदार अधिकारी का निवास है किंतु इन अधिकारियों ने कभी भी स्कूल के बारे में जानकारी लेना उचित नहीं समझा यही हाल प्रबंधन के द्वारा बनाई गई शिक्षण समिति का है इस समिति में कर्मचारियों को रखा गया है जो सिर्फ अपने ड्यूटी से मतलब रखते हैं शिक्षा के सामचित विकास हेतु कभी भी पहल नहीं करते स्मृति सेशन मेमोरियल स्कूल की स्थापना क्षेत्र के पूर्व लोकप्रिय प्रबंधक सेशन साहब के नाम पर रखा गया था। इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 1984 में हुई थी उसे दौर में क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम के स्कूल नहीं थे क्षेत्र के बच्चों को अंग्रेजी के पढ़ाई शहर में उपलब्ध नहीं थी और उन्हें दूसरी जगह पर जाना पड़ता था इस दौर में सेशन स्मृति स्कूल की स्थापना से अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा मिला और सैकड़ो की संख्या में बच्चे पढ़ाई करने लगे कुछ समय तक तो यह सब अच्छा चलता रहा किंतु बाद में शिक्षकों की आपसी की खींचतान और शिक्षण समिति की लापरवाही की वजह से धीरे-धीरे शिक्षा का स्तर गिरता गया इस विद्यालय के बेहतर विकास हेतु कभी भी प्रयास नहीं किए गए।

बर्बाद हो रही सामग्री

विद्यालय के कई कमरों में ताले नहीं लगे हुए हैं फर्नीचर अस्त-व्यस्त पड़ा है खिड़की दरवाजे भी उखड़ गए हैं ऐसी स्थिति में वहां रखा सामान भी बर्बाद हो रहा है इन सब की जानकारी शिक्षण समिति को है लेकिन कभी भी समुचित पहल नहीं की जाती है।

एक युद्ध नशे के विरूद्ध: बच्चों के सर्वेक्षण, रेस्क्यू एवं पुनर्वास हेतु अभियान

कोरिया। कलेक्टर एंव जिला बाल संरक्षण समिति के अध्यक्ष विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में 15 जुलाई से 14 अगस्त 2024 तक सड़क किनारे रहने वाले या सड़कों में नशे करके घुमंतू बच्चों के लिए एक युद्ध नशे के विरूद्ध के तहत बच्चों के सर्वेक्षण रेस्क्यू एवं पुनर्वास की कार्यवाही हेतु अभियान संचालित किया जा रहा है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी ने जानकारी दी कि जिले में लगातार सड़क किनारे रहने वाले व विषम परिस्थितियों में अपना जीवन यापन करने वाले बच्चों का रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। रेस्क्यू अभियान में जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, चाईल्ड हेल्प लाईन 1098, श्रम विभाग, पुलिस विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

रेस्क्यू अभियान के दौरान जिले में बैकुण्ठपुर मार्केट, बस स्टैंड, चरचा के रेलवे स्टेशन, घुटरी दफाई, चौक में अभियान चलाया गया। अभियान समाप्ति के उपरांत भी सतत रूप से चिन्हांकन पुनर्वास की कार्यवाही बच्चों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए किया जायेगा। संबंधित विभाग, जनप्रतिनिधि, आमजनों से यह अपील की जाती है कि इस प्रकार के बच्चे मिलने, दिखने या जानकारी

होने पर कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, चाईल्ड लाईन, टोल फ्री नम्बर 1098 पर सूचित किया जा सकता है, जिस पर जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं चाईल्ड लाईन त्वरित कार्यवाही करेगी।

एक पेड़ माँ के नाम स्वेच्छा से दान किये ट्री गार्ड

सूरजपुर। शिक्षा सप्ताह के छठवें दिन शासकीय बालक माध्यमिक शाला रामानुजनगर में एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। जिसमें क्लब प्रभारी शिक्षक बिहारी लाल साहू के द्वारा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों से मिलकर उनसे सहयोग की बात की जिससे उन्हें विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण हेतु पांच ट्री गार्ड प्राप्त हुआ। एक ओर जहां मानसिकता रहती है कि शासकीय विद्यालयों में किसी प्रकार का कोई सहयोग नही करता इस मानसिकता से परे प्रभारी शिक्षक बिहारी लाल साहू ने जन सहयोग की अपेक्षा लेकर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की और सभी से सहयोग की मांग की। आज एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के दिन आयुष हार्डवेयर के संचालक सतीश कुमार गुप्ता अपनी माता शिरोमणी गुप्ता, सोनी इलेक्ट्रॉनिक व बोरवेल के संचालक संतोष सोनी अपनी माता गुंजा देवी सोनी, रोहित इलेक्ट्रॉनिक व बोरवेल के संचालक सुभाष शर्मा अपनी माता श्रीमती ज्ञानो देवी, शिक्षक प्रकाश कुमार जोल्हे अपनी माता धान देवी और शिक्षक बिहारी लाल साहू अपनी माता के नाम पर एक एक फलदार व फूलदार पौधे का रोपण विद्यालय परिसर में किया।

चिकित्सक बोले घर ले जाओ ,बिगड़ी तबीयत फिर अस्पताल लाते ही मौत

अंबिकापुर। मेडिकल कालेज अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। मौत के बाद स्वजन ने चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया। स्वजन का आरोप था कि गंभीर स्थिति पर अस्पताल में भर्ती करने का निवेदन अस्वीकार कर मरीज को घर भेज दिया गया था। यदि महिला अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में नहीं थी, उसका स्वास्थ्य ठीक था तो फिर मौत कैसे हुई? हो हल्ला हंगामा के बीच प्रभारी अधीक्षक डा जेके रेलवानी ने आरोपों की जांच का आश्वासन दिया तब जाकर मामला शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार दर्रीपारा निवासी शांति मरावी (50) को रविवार शाम को अस्पताल लाया गया था। यहां उपचार आरंभ होने के बाद भी उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। महिला की मौत होने की जानकारी मिलते ही स्वजन आक्रोशित हो गया। इससे माहौल बिगड़ने लगा।सुरक्षा कर्मचारियों ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक की सुरक्षा शुरू कर दी।स्वजन, चिकित्सक को बाहर निकालने की मांग करने लगे। पुलिस कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। नाराज स्वजन के आरोपों से माहौल तनावपूर्ण होने लगा था। अस्पताल की अव्यवस्था और गंभीर स्थिति के बाद भी मरीज को भर्ती नहीं करने का आरोप लगा स्वजन नाराजगी जाता रहे थे। चिकित्सकों पर लापरवाही के गंभीर आरोप की जानकारी मिलते ही प्रभारी अधीक्षक डा जेके रेलवानी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्वजन से चर्चा की। स्वजन शव ले जाने के लिए तैयार नहीं थे। सभी पक्षों की बात सुनने के बाद प्रभारी अधीक्षक द्वारा आरोपों की जांच कराने के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। घटना के दूसरे दिन सोमवार को स्वजन महिला का शव लेकर चले गए। उन्होंने किसी प्रकार की कोई लिखित शिकायत भी नहीं की। मृतका शांति मरावी के स्वजन का आरोप था कि शनिवार को महिला को लेकर वे अस्पताल पहुंचे थे। चिकित्सक ने स्थिति सामान्य होने की बात कही थी। घरवालों ने मरीज को अस्पताल में भर्ती करने का दस्तावेज भी तैयार कर लिया था लेकिन गर्मी और शराब सेवन से स्वास्थ्य पर असर पड़ने का दावा कर चिकित्सक ने दवा देकर वापस घर भेज दिया था।

शनिवार सुबह भी महिला को लेकर स्वजन आए थे। तब उसे बॉटल चढ़ाया गया। स्वजन का आरोप था कि महिला के शराब सेवन का दावा कर चिकित्सक ने उपचार में लापरवाही बरती। दूसरी बार भी उसे अस्पताल में भर्ती नहीं किया। शाम को तीसरी बार तबीयत बिगड़ने पर स्वजन शांति मरावी को लेकर की अस्पताल पहुंचे। इस बार उसकी जान नहीं बची और उसने दम तोड़ दिया। विशेषज्ञ चिकित्सक और अत्याधुनिक चिकित्सा संसाधनों वाले मेडिकल कालेज अस्पताल में तीन दिन के भीतर यह दूसरा मामला है जिसमे चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगा है। तीन दिन पहले सूरजपुर से रिफर मरीज रामचंद्र ठाकुर की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उसे श्वांस में तकलीफ के इलाज के लिए भर्ती किया गया था। स्वजन ने आक्सीजन नहीं मिलने के कारण मौत का आरोप लगाया था। नोजल खराब होने की शिकायत के बाद भी नर्सों ने चेक नहीं किया। मामले की जांच के लिए कमेटी बना दी गई है।

शासन द्वारा मिल रही नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा

गर्भ जांच को लेकर माताएं हुई चिंतामुक्त, कर रही हैं खुशी का अनुभव

सूरजपुर। माता और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल की नितांत आवश्यकता होती है। इसी क्रम में केंद्र सरकार द्वारा शुरू प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस अभियान के तहत लाभार्थियों को हर महीने प्रसव पूर्व जांच और दवा की सुविधा दी जाती है। इस योजना के अंतर्गत जिले के चिन्हांकित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में अब तक कुल 753 हितग्राहियों को नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

गौरतलब है कि प्रसव पूर्व जांच से बच्चे को लेकर माता में उत्पन्न होने वाले किसी भी खतरे अथवा बच्चे में संभावित किसी बीमारी का पता लगाया जा सकता है। इसी क्रम में जिला अस्पताल समेत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो में भी नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ की गयी है । इस योजना के शुरू होने से निश्चित तौर पर मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा उच्च जोखिम गर्भवती एवं गर्भस्थ शिशु में जन्मजात विकृति की पहचान करने में आसानी होगी ताकि संबंधित मरीजों को समय पर उपचार प्रदान की जा रही है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एस सिंह के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (भैयाथान, ओडगी , प्रतापपुर एवं रामानुजनगर) में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी की सुविधा का सफलतापूर्वक संचालन की जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सोनोग्राफी की सुविधा होने से दूरस्थ अंचल में रहने वाले गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधा में बड़ी राहत मिली है। इस सुविधा के चालू होने से महिलाओं को लंबी दूरी तय करनी नही पड़ती है जिससे गर्भवती महिलाओं को शारीरिक रूप से आराम मिलने के साथ, समय की बचत एवं आर्थिक बोझ से राहत मिली है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने के बाद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान में 218, ओड़गी में 101, प्रतापपुर में 220 एवं रामानुजनगर में 214 (कुल 753) गर्भवती माताओं का सोनोग्राफी किया जा चुका है। सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से जिले के दूरस्थ अंचलों के लोगों में हर्ष व्याप्त है। सोनोग्राफ़ी सुविधा को लेकर भैयाथान की रहने वाली श्रीमती कोमल साहू ने बताया कि वे समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैया थान में नियमित रूप से चेकअप के लिए आती हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा मिलने से उन्हें बहुत आराम मिला है। ऐसी अवस्था में यात्रा कर दूर जाने में काफी परेशानी होती थी परंतु अब घर के समीप यह सुविधा मिलने से वे खुश हैं। उन्होंने इसके लिए शासन और प्रशासन को धन्यवाद दिया। साथ ही भैयाथान की ही श्रीमती केसरी बताती हैं की सोनोग्राफी की सुविधा नि:शुल्क होने से उन पर आर्थिक बोझ कम हुआ है। उन्होंने बताया कि सोनोग्राफी कराने के लिए पहले दूर जाना पड़ता था और पैसे भी ज्यादा खर्च करने पड़ते थे ऐसे में यह सुविधा जिले के सभी महिलाओं के लिए वरदान के समान है। वे इसके लिए प्रधानमंत्री एवं राज्य के मुख्यमंत्री को धन्यवाद देती हैं। इस योजना को लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर एस. सिंह ने जिले के समस्त लोगों से अपील किया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी की सुविधा प्रत्येक माह के 09 एवं 24 तारीख को उपलब्ध कराई जाती है। इसलिए संबंधित स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित होकर अधिक से अधिक गर्भवती माताएं इस सुविधा का लाभ लें।

स्कूल बसों एवं ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चे बैठाने पर होगी सख्त कार्रवाई

सूरजपुर। कलेक्टर रोहित व्यास ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने एवं इसके संबंध में जागरूकता की आवश्कता पर चर्चा की। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेन्द्र पैंकरा, सर्व एसडीएम, जिला परिवहन अधिकारी श्री अनिल भगत, यातायात निरीक्षक श्री एफ कुजुर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री व्यास ने सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए जिले के सभी ब्लैक स्पॉट के संबंध में जानकारी ली एवं ब्लैक स्पॉट के सुधार के सभी संभव उपाय करने को कहा ताकि सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाई जा सकता है। घाटपेंडारी में दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने वहां सतत् मानिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही वहां रात्रिकालिन दुर्घटना को रोकने के लिए हाईमास्ट् लाईट लगाने के निर्दश भी दिए। साथ ही उन्होंने इस संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए भी कहा कि रात्रि में गाड़ी खराब होने पर अंधेरे में सड़कों पर गाड़ी बिना इंडिकेटर जलाए खड़ी न करें। उन्होंने लोगों से वाहन ज्यादा स्पीड में न चलाने की अपील भी की है। रात्रिकालीन दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सड़क किनारे लगे पेड़ों में रिफ्लेक्टर लगाने, जिन स्थानों में आवश्यक हो उन स्थानों में रम्बल स्ट्रीप, ब्रेकर और साइन बोर्ड लगाने के निर्देश भी उन्होंने दिए हैं।

अभियान चलाकर सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूक करने के दिए निर्देश

उन्होंने जिले में जहां भी सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण कर यातायात में व्यवधान उत्पन्न कर दुर्घटना को बढ़ावा दिया जा रहा हैं ऐसे सभी क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने के लिए राजस्व, पुलिस विभाग एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने की संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सड़कों पर घूमने वाले सभी अवारा मवेशियों को त्वरित कार्यवाही कर हटाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दुपहिया वाहन चलाने वालों को अनिवार्य रूप से हेलमेट का उपयोग करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। बिना हेलमेट पहने दुपहिया वाहन चलाने वालों एवं बिना सीट बेल्ट पहनने वाले चारपहिया चालकों पर चालान काटने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाने पर सख्त कार्यवाई के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री व्यास ने नाबालिक बच्चों को गाड़ी नहीं देने के लिए अभिभावकों को जागरूक करने के साथ ही ऐसे बच्चे जो दुपहिया वाहन से स्कूल जाते हैं इस संबंध में भी उचित कार्यवाई करने के निर्देश दिए। जिले के स्कूल बसों और ऑटो का फिटनेस परीक्षण करने, स्कूल बसों और ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चे न बैठे इसके लिए नियमित जांच करने के निर्देश दिए। नियम विरूद्ध स्कूली बस एवं ऑटो के संचालन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल बस चालकों एवं समस्त स्टॉफ का शत प्रतिशत पुलिस वेरिफिकेशन करवाने के लिए कहा। सभी स्कूलों, कोचिंग सेंटर में सड़क सुरक्षा के संबंध में बच्चों को जागरूक करने के लिए कहा है। उन्होंने एएसएस एवं एसीसी के वालंटियर के साथ-साथ ग्राम क्षेत्रों में सरपंचो, पंचों सचिवों, महिलाओं को भी फर्स्ट एड टेऊनिंग देने की आवश्यकता बताई ताकि दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित को त्वरित राहत पहुंचाई जा सके।

इसके अलाावा उन्होंने कहा कि जिस स्थान में सड़क दुर्घटना हुई है उस स्थान में जाकर लोक निर्माण विभाग, नेशनल हाईवे, पुलिस विभाग समिति के अधिकारी जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने कहा। जिससे उस स्थान में सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सड़क दुर्घटना से प्रभावितों को आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके लिए जनसामान्य को जागरूक करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने समिति को सड़क दुर्घटना के सभी संभावित कारणों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।

कक्षा 6वी में प्रवेश हेतु 16 सितम्बर तक आवेदन आमंत्रित

कोरिया। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय बैकुण्ठपुर के प्राचार्य ने बताया कि कक्षा 6वी में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए नि:शुल्क ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 16 सितम्बर 2024 निर्धारित की गई है। जिला कोरिया एवं जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मान्यता प्राप्त विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 5वीं के विद्यार्थी किसी भी कंप्यूटर सेंटर अथवा कामन सर्विस सेंटर व लोकसेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन कर सकते है। उन्होने बताया कि विद्यार्थी वेबसाइट व लिंक www.navodaya.gov.in https://cbseitms. rcil. gov. in/nvs पर जाकर भी आवेदन कर सकते है। उक्त प्रवेश परीक्षा 18 जनवरी 2025 को होगी। अधिक जानकारी के लिए पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बैकुण्ठपुर कोरिया से सम्पर्क किया जा सकता है।

जिले के बेहतर भविष्य के लिए नशा मुक्ति की दिशा में करें गंभीर प्रयास : कलेक्टर

सूरजपुर। समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में संचालित सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सर्व एसडीएम सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने जिले के आकांक्षी विकासखण्ड प्रतापपुर में नीति आयोग अंतर्गत सामाजिक आर्थिक विकास हेतु क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के लक्ष्यों को लेकर उनकी प्रगति पर चर्चा की। जिले में शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी स्कूलों की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। शाला सुरक्षा एवं स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के सम्बंध में चर्चा। उन्होंने स्कूल परिसर के 100 मीटर के दायरे में गुटखा, तंबाकू बेचने पर सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा है । इस परिसर में बेचते हुए पाए जाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश। इसके अलावा उन्होंने सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ियो में रनिंग वाटर/स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने को निर्देशित किया। साथ ही सभी आंगन बाड़ी केंद्रों में विद्युतीकरण करने इसके अलावा उल्लास कार्यक्रम के तहत साक्षरता कार्यक्रम की प्रगति की जानकारी ली।

सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक सभी अधोसंरचना पूर्ण करने के दिए निर्देश

उन्होंने गहन डायरिया नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए इसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिये स्वास्थ्य विभाग को कहा। साथ ही समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ को स्पष्ट निर्देश दिए कि लोगों के घर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो जिसके लिए सैंपल की जांच कराएं। साथ ही उन्होंने पानी आपूर्ति के लिए उपयोग में लाए जा रहे सभी पाइप लाइन की अच्छी तरह से जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा जल स्रोतों से पानी के सैंपल की जांच कराने को भी कहा गया। कलेक्टर ने समीक्षा करते हुए कृषि, सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों को खाद, बीज, रासायनिक उर्वरक तथा कीटनाशकों की आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित कराएं एवं उनकी उपलब्धता की नियमित मॉनिटरिंग करें और कृषकों के साथ नियमित संपर्क में रहें। इसके अलावा पीएम किसान सम्मान निधि, केसीसी योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। जिले में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को पूर्णत: सफल बनाने के लिए कहा । इसके लिए उन्होंने सभी स्कूलों में एक पेड़ मां के नाम पर लगाना सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए भूमिगत जल रिचार्ज के लिए वाटर हार्वेस्टिंग कार्यक्रम को सफलता पूर्वक लागू करने को कहा।

शिक्षा सप्ताह मनाया गया

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वाधान में कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक रोहित व्यास तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला परियोजना संचालक समग्र शिक्षा श्रीमती कमलेश नन्दिनी साहु के निर्देशानुसार, जिला शिक्षा अधिकारी, रामललित पटेल एवं जिला मिशन समन्वयक, शशिकान्त सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के चार वर्ष पूरे होने के अवसर पर शिक्षा सप्ताह का आयोजन जिले के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में दिनांक 22 जुलाई से 28 जुलाई 2024 तक एक सप्ताह शिक्षा सप्ताह का आयोजन करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भवना को जन-जन तक पहुंचाना है, इस हेतु जिले के समस्त शालाओं में दिवसवार गतिविधियों का आयोजन किया किया गया। शिक्षकों को स्थानीय सामग्री के प्रदर्शन एवं कक्षा में इनके उपयोग हेतु प्रोत्साहित करने का गतिविधियां, मंगलवार, द्वितीय दिवस - FLN दिवस -FLN के क्रियान्वयन हेतु सभी हितधारकों के मध्य जागरूकता विकसित करने का कार्य, बुधवार, तृतीय दिवस-खेल दिवस-खेल और फिटनेस के महत्व हेतु प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा गुरूवार, चतुर्थ दिवस-सांस्कृतिक दिवस-विद्यार्थियों में विविधता में एकता की भावना विकसित करने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया गया।

प्रमोद मर्डर केस में हत्यारे की खोज करना पुलिस के लिए बनी चुनौती

महिलाओं सहित कई लोगों के लिये बयान

कोरबा। बिहार के वैशाली जिले के अंतर्गत बख्तियारपुर रजरप्पा निवासी प्रमोद सिंह की हत्या के मामले में सीएसईबी चौकी पुलिस ने जांच जारी रखी है। इस सिलसिले में अलग-अलग आधार पर कुछ महिलाओं सहित क्षेत्र के लोगों के बयान लिये गए। इस आधार पर पुलिस असली आरोपी तक पहुंचने की कोशिश में है।

27 जुलाई को सुबह ट्रांसपोर्ट नगर स्टेडियम रोड स्थित सुलभ इंटरनेशनल परिसर में कर्मचारी प्रमोद सिंह 49 वर्ष का शव रक्तरंजित स्थिति में मिला था। चोट के निशान पाए जाने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच की। सिविल लाइन थाना के सीएसईबी चौकी अंतर्गत मुख्य मार्ग पर सुलभ शौचालय में केयर टेकर प्रमोद सिंह सेवा दे रहा था। 49 वर्षीय प्रमोद का शव लोगों ने यहां देखा जो प्रसाधन सेवा के लिए पहुंचे थे। केयर टेकर को मृत और लहूलुहान स्थिति में देखे जाने पर उन्होंने पुलिस को अवगत कराया। बीएनएसएस के अंतर्गत पुलिस ने मर्ग कायम करने के साथ जांच पड़ताल जारी रखी। जिस स्थिति में शव मिला उसने कई सवाल भी खड़े किए। आशंका जताई गई कि संदिग्ध गतिविधि के कारण किसी के द्वारा उसका यह हश्र किया गया है। इस बीच शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या करने की बात सामने आई। फिलहाल पुलिस हत्या के आधार पर ही प्रकरण की जांच पड़ताल कर रही है। खबरों के अनुसार अब तक जो इनपुट मिले हैं इसके सहारे मामले में पुलिस आगे बढ़ रही है। इस कड़ी में घटना स्थल के आसपास रहने वाले कई लोगों समेत उसे जानने वालों जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, को बुलाया गया। पुलिस ने उनके नाम-पते नोट करने के साथ जरूरी पूछताछ की। बताया गया कि जिस अंदाज में घटना हुई उससे लगता है कि आरोपी आसपास का ही हो सकता है जिन्हें सुलभ शौचालय की रात्रिकालीन टाइमिंग और वहां की गतिविधियों के बारे में जानकारी रही होगी। प्रमोद सिंह की हत्या किसने की और क्यों, यह आरोपी के पकड़े जाने के बाद ही भलीभांति हो सकेगा। सीएसईबी पुलिस के साथ-साथ साइबर सेल की टीम को भी इस मामले में अपेक्षित नतीजे प्राप्त करने के लिए लगाया गया है।

घटना स्थल पर जरूरी पड़ताल करती हुई पुलिस।

भाजपा की बैठक में चुनावी चर्चा

कोरबा। भाजपा उरगा मंडल की बैठक पिछले दिनों आयोजित की गई । जिसमें आए कार्यक्रमों की की जानकारी देते हुए पंचायत चुनाव पर चर्चा की गई। जिसमें कहा गया कि आने वाले दिनों में पंचायत चुनाव होने है इसके लिए कार्यकर्ता तैयार रहे बैठक में फुल सिंह कंवर,मनोज धिरहे, कमलेश अनंत, किशन साव, प्रकाश यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। कटघोरा मंडल की बैठक में विधानसभा प्रभारी गोपाल साहू, पूर्व सभापति अशोक चावलानी, पवन गर्ग, मीना शर्मा ने संबोधित किया। यहां के कार्यकर्ताओं को भी नपा चुनाव के लिए तैयार रहने कहा गया है। प्रदेश से आए कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बैठक में धन्नू दुबे, अभिषेक गर्ग, किशन केशरवानी, समजीत सिंह, विवेक मारकडे, अनुराग दुहलानी, जय गर्ग सहित अनेको कार्यकर्ता मौजूद थे। कोसाबाड़ी नगर मंडल की बैठक में प्रदेश की मंत्री लखन देवांगन,गोपाल साहू,डॉ. राजीव सिंह संबोधित किया। बैठक को सफल बनाने में अजय विश्वकर्मा, दिनेश वैष्णव, सुमुन सोनी, रमा मिरी, विलाप राम, डॉ जय लहरे ने सहयोग प्रदान किया।

युवक कांग्रेसी करेंगे आंदोलन

कोरबा। बिजली की समस्या से नागरिक पेरशान है। कुचैना में आए दिन बिजली गुल रहता है युवक कांग्रेस विधानसभा के अध्यक्ष रहमान खान ने बिजली विभाग को पत्र लिखकर कहा है कि कुचैना की बिजली लाइन बांकीमोगरा से जुड़ा हुआ है। इसे काटकर सुराकछार से जोड़ा जाए इसी तरह आसपास के गांव के लोग बिजली की समस्या से जुझ रहे है। जिसके लिए युवक कांग्रेसस के रहमान खान शत्रुघन पटेल तारेश राठौर ने आंदोलन करने का निर्णय लिया है। युवक कांग्रेसी बिजली की समस्या को लेकर सभी विभागों में जाकर आवेदन जमा करेंगे।

शाम होते ही गंजेड़ियों और शराबियों की जमघट लगती है स्कूल परिसर में

वातावरण पर पड़ रहा बुरा असर

कोरबा। वार्ड क्रमांक 26 में शिक्षा विभाग के द्वारा संचालित प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल परिसर शाम होने के बाद स्कूल नहीं रह जाता। यहां कि गरिमा को तार-तार करने का काम करते हैं इलाके में छंटे हुए शराबी और गंजेड़ी। इनकी जमघट मौके पर लगती है। बरामदे को गंदा करने के साथ आसपास में फालतू चीजों का स्टोर इस वजह से बढ़ रहा है।

लंबे समय से इस प्रकार की गतिविधियां इस परिसर में चल रही है। सुबह से शाम 4.30 बजे तक स्कूल की कक्षाएं संचालित होती हैं। इस दौरान यहां विद्यार्थियों की चहल-पहल होती है। स्कूल का पूर्ण अवकाश होने और विद्यार्थियों समेत शिक्षकों के यहां से चले जाने के कुछ समय के बाद पूरी तरह बदल जाता है। बताया गया कि नागरिकों को सुविधा देने के लिए प्रशासन के द्वारा आधार पंजीयन केंद्र का संचालन बाहरी क्षेत्र में हो रहा है। उसके पास से ही स्कूल की कम ऊंचाई वाली चारदीवारी बनी हुई है। अपनी सुविधा लिए अराजक तत्वों ने बाउंड्रीवाल को तोड़ दिया है और यहां से भीतर जाने का रास्ता बना लिया है। 10 से 15 की संख्या में हर रोज ऐसे तत्व यहां पहुंचते हैं। शाम 7 बजे से 12 बजे तक इनका जमावड़ा बरामदे में होता है जहां पर दारू और गांजा पार्टी होती है। उनकी हरकतों से यह पूरा क्षेत्र गंदगी से बेजार है। तत्वों के द्वारा उपयोग के बाद शराब की बोतलों से लेकर डिस्पोजल और कई प्रकार के सामान आसपास में फेंक दिए जाते हैं। इसके चलते यहां कई प्रकार की घटनाएं ो रही है और वातावरण पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। पता चला कि पुलिस को इस क्षेत्र में पेट्रोलिंग के लिए कहा गया लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया। इस कारण भी अराजक तत्वों के हौसले मजबूत हैं।

इसी स्थान से कूदकर भीतर पहुंचते हैं आवारा तत्व।

बाउंड्रीवाल की ऊंचाई बढ़ाने की मांग

स्कूल के शिक्षकों ने प्रशासन और नगर निगम से मांग की है कि यहां का वातावरण बेहतर करने और असामाजिक तत्वों की पहुंच को बाधित करने के लिए बाउंड्रवाल की ऊंचाई कम से कम 10 फीट की जानी चाहिए। यह डिमांड की जा रही है कि दूसर मांग यह भी की जा रही कि स्कूल परिसर को सीसीटीवी से लैस किया जा जाए ताकि पर्याप्त निगरानी हो सके।

जिला क्रिकेट टीम का होगा चयन

कोरबा । छत्तीसगढ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र वर्ष 2024-25 हेतु विभिन्न आयु वर्गों हेतु जिला क्रिकेट टीम चयन तारीख की घोषणा की गई है। जिसके अनुसार कोरबा डिस्ट्रिक्ट जिला क्रिकेट एसोसिएशन ने चयन प्रक्रिया कोरबा स्थित एसईसीएल के सेंट्रल वर्कशॉप क्रिकेट स्टेडियम में सम्पन्न कराने के लिये तिथियों का निर्धारण किया है। जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारी सचिव जीत सिंह ने बताया कि अंडर-14 वर्ग के खिलाडियों का ट्रायल 4 अगस्त को संपन्न होगा। इसी प्रकार अंडर-16 का ट्रायल 11 अगस्त, अंडर-19 का ट्रायल 18 अगस्त , अंडर-23 का ट्रायल 25 अगस्त व सीनियर वर्ग का ट्रायल 25 अगस्त को संपन्न होना हैं।

मुड़ापार वार्ड में दवा का छिड़काव

कोरबा। मुड़ापार वार्ड की पार्षद सपना चौहान व पूर्व पार्षद रामगोपाल कुर्रे ने नगर पालिक निगम के अधिकारियों से मुलाकात की थी। जिसमें वार्ड में बढ़ते मच्छारों के प्रकोप को देखते हुए दवा छिड़काव की मांग की थी।

मुड़ापार प्राथमिक/माध्यमिक विद्यालय परिसर की सफाई आज आरएसएस के स्वयंसेवकों ने की। मौके पर ट्री गार्ड फाउंडेशन के सदस्यों के द्वारा उपयोगी पौधों का रोपण किया गया।

ग्रामीणों ने दंतैल को छेड़ा तो दो गांवों में पहुंचकर मचा दिया उत्पात

मशरूम शेड को तोड़ा, रौंदी फसल

कोरबा। वनमंडल कोरबा के करतला रेंज के लबेद जंगल में पिछले कुछ दिनों से जमे दंतैल हाथी को खदेड़ने के लिए जब वहां के ग्रामीणों ने छेड़खानी की तो दंतैल ने पास में स्थित गाड़ापाली व छातापाठ नामक गांव में पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथी ने ग्रामीणों द्वारा मशरूम की खेती के लिए बनाए गए शेड को न केवल तोड़ दिया बल्कि खेत व बाड़ी में लगे धान व सब्जी के पौधों को तहस-नहस कर दिया। हाथी के उत्पात से दोनों ही गांव के 10 लोग प्रभावित हुए हैं जिन्हें काफी आर्थिक चपत लगी है। दंतैल दोनों गांव में उत्पात मचाने के बाद सुबह होने से पहले जंगल का रूख किया और वहां जाकर छिप गया। पीड़ित ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग का अमला आज सुबह मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आंकलन शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि दंतैल लबेद के जंगल में पिछले कुछ दिनों से डेरा डाले हुए है। हाथी के डर से ग्रामीण अपने खेतों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। बीती रात ग्रामीणों ने दंतैल को खदेड़ने की योजना बनाई और जंगल पहुंच गए। ग्रामीणों द्वारा दंतैल को खदेड़ने की कोशिश जैसे ही की गई वह आक्रोशित हो गया और ग्रामीणों को दौड़ाने लगा जिससे कुछ समय के लिए भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई। ग्रामीणों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। बाद में दंतैल समीप स्थित गाड़ापाली व छातापाठ गांव में एक के बाद एक पहुंचकर खेतों में लगे मशरूम शेड, धान की फसल व सब्जी के पौधों को भारी नुकसान पहुंचाया और अपना गुस्सा उतारा। दंतैल के द्वारा इस तरह उत्पात मचाए जाने से ग्रामीण काफी भयभीत हैं। वहीं कुदमुरा रेंज के गीतकुंआरी गांव में मौजूद तीन हाथियों ने भी बीती रात खेतों में पहुंचकर उत्पात मचाया और दो किसानों की फसल को बुरी तरह रौंद दिया है।

रेलवे स्टेशन को किया जा रहा अपडेट, टिकट काउंटर स्थानांतरित

कोरबा। कोरबा रेलवे स्टेशन में चल रहे निर्माण कार्यों के कारण स्टेशन परिसर में स्थित अनारक्षित टिकिट काउंटर को वाहन पार्किंग स्थित आरक्षण केंद्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कोरबा रेलवे स्टेशन को अपग्रेड किया जा रहा है। जिसकी जानकारी के लिए एक सुचना बोर्ड लगाई गई है, छोटी दुरी की यात्रा करने वाले और रेलवे स्टेशन में टिकट खरीदकर सफर में जाने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। क्योंकि स्टेशन परिसर से आरक्षण केंद्र लगभग 200 मीटर दूरी पर है यहां से टिकट लेकर आने और जाने पर ट्रेन ही छुट जाती है। वहीं लोगों का मांग है कि स्टेशन परिसर में ही टिकट काउंटर होना चाहिए, ताकि लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

वोल्वो में लगी भीषण आग चालक ने कूद कर बचाई जान

कोरबा। एसईसीएल की मेगा परियोजना गेवरा खदान में मिट्टी डिस्पेच में लगी वाहन में भीषण आग लग गई। वाहन चालक ने जैसे-तैसे कूद कर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार एसईसीएल की गेवरा खदान अंदर ग्राम भटोरा से लगे में सैनिक माइनिंग (जीटीपी) की वोल्वो ट्रक में देर रात भीषण आग लग गई। जिसके बाद ट्रक चालक गाड़ी रोककर कूद गया। फिलहाल आग लगने की वजह शार्ट सर्किट बताई जा रही है। घटना की जानकारी के बावजूद विभागीय दमकल विभाग की कोई भी वाहन मौके पर नही पहुंची, जिससे वाहन पूरी तरह से जल गई।

बारिश में गर्मी जैसे हालात, पानी के लिए हैंडपंपों का सहारा

कई क्षेत्रों में नलों में नहीं आ रहा पानी, लोग परेशान

कोरबा। कैलेंडर में भले ही सावन का महीना चल रहा है लेकिन जमीन पर हालात गर्मी जैसे हैं। बारिश के मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों को पानी के लिए अब हैंडपंप और दूसरे श्रोतों का सहारा रह गया है। नगर निगम के वाटर फिल्टर प्लांट में आई समस्या के कारण लोगों को पानी मिलने में दिक्कतें हो रही है।

पानी की समस्या की कहानी कोई एक-दो वार्ड में नहीं बल्कि पूरे हिस्से में पब्लिक सेक्टर अपने क्षेत्र में खुद लोगों पानी दे रहा है जबकि दूसरे इलाके निगम के भरोसे है। निगम के द्वारा कोहड़िया स्थित वाटर फिल्टर प्लांट से पानी सप्लाई ओवरहेड टैंक के जरिए लोगों के नलों तक की जा रही है। खबर के अनुसार बारिश के मौसम में अलग-अलग कारणों से कोहड़िया स्थित फिल्टर प्लांट में दिक्कतें आ गई है। इसके अलावा कई जगह पर पाइप लाइन में समस्याएं हैं। इन्हें ठीक करने में लंबा समय लग रहा है। ऐसे में अनेक स्थानों पर पानी की सप्लाई प्रभावित है। इसके चलते लोगों को अपनी जरूरत पूरा करने के लिए हैंडपंपों और तालाब पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कुछ क्षेत्रों में नगर निगम के द्वारा पानी भेजने की व्यवस्था कराई जा रही है लेकिन यह अपर्याप्त है।

खरी-खोटी सुना रहे हैं लोग

समस्या इस कदर फैली हुई है कि लोग पानी को लेकर अलग-अलग माध्यम से निगम के जनप्रतिनिधि से लेकर अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाने में लगे हैं। जनसमस्या निवारण शिविरों में भी हालात ऐसे ही हैं, इसलिए जनप्रतिनिधि वहां जाने से बच रहे हैं।

केएसएस के प्रतिनिधि शामिल हुए

कोरबा। भविष्य में कोयले के होने वाले कमी उसकी आपूर्ति व कामगारों को सामने आने वाले समस्याओं को लेकर रायपुर में एक कांन्फ्रेन्स आयोजित किया गया । जिसमें अधिकारियों के अलावा केएसएस के सॉजी जॉन, अजय सिंह शामिल हुए । इसी तरह एसईकेएमसी के शैलेस महापात्रा ने भी अपने विचार रखे। आने वाले दिनों में कोयले की कमी से उद्योग प्रभावित होंगे। इसके लिए विकल्प खोजा जाना जरूरी हो गया।

किक बॉक्सिंग टूर्नामेंट में सीएमए को 8 पदक, राज्य को अच्छी सफलता

कोरबा। वाको इंडिया किकबाक्सिंग फेडरेशन के मार्गदर्शन में गोवा किकबाक्सिंग एसोसियेशन के तत्त्वधान में मल्टी परपज इंडोर स्टेडियम मापुसा गोवा में 24 से 28 जुलाई 2024 तक सीनियर महिला पुरुष वर्ग की राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता हुई। देश भर से 1109 खिलाड़ीयो ने किकबॉक्सिंग की सभी विधाओं पाइंट फाइटिंग, लाइट कांटेक्ट,किक लाइट, फूल कांटेक्ट, लोकिक, के-वन , म्यूजिकल फार्म्स एवं क्रिएटिव फार्म्स में हिस्सा लिया। कोरबा की सीएमए एकेउमी के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण सहित 8 पदक हासिल किये। राज्य का प्रदर्शन भी कास रहा।

छत्तीसगढ़ किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगन लाल मुंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा एवं महासचिव आकाश गुरुदीवान ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में शामिल होने वाले राज्य के सीनियर वर्ग के 50 महिला पुरुष खिलाड़ियों का चयन रायपुर में आयोजित 11 वी राज्य स्तरीय सीनियर किकबाक्सिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कियाा। उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 6 स्वर्ण, 6 रजत एवं 17 कांस्य सहित कुल 29 पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया। राज्य की टीम में रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, धमतरी, मुंगेली सहित विभिन्न जिलों के खिलाड़ीयो ने एसोसिएशन के महासचिव आकाश गुरुदीवान के नेतृत्व में रेफरी मनीष बाग तथा कोच विशाल हियाल एवं मैनेजर के साथ हिस्सा लिया।

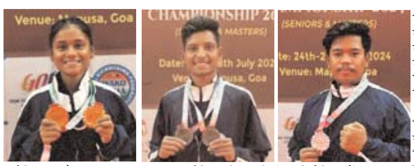

कोरबा जिले के सीएमए किकबाक्सिंग एकेडमी कोरबा से 8 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और 2 स्वर्ण, 2 रजत तथा 4 कांस्य सहित 8 पदक जीतकर जिले का नाम राज्य एवं देश में गौरवान्वित किया है। जिनमे महिला वर्ग से लोकिता चौहान ने अलग अलग इवेंट्स में खेलते हुए 2 स्वर्ण, प्रतिभा राय ने कांस्य तथा पुरुष वर्ग में शुभम यादव ने रजत, अभिषेक खांडेकर ने रजत एवं कांस्य तथा अंकुश लाला यादव ने 2 कांस्य जीता। इनके अलावा प्रभात साहू, अशोक साहू एवं जगदीश यादव ने भी उम्दा खेल का प्रदर्शन किया। किकबाक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष तारकेश मिश्रा, महासचिव आकाश गुरुदीवान, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष नौशाद खान, सचिव सुरेश क्रिस्टोफर, जिला खेल अधिकारी दिनु पटेल, रामकृपाल साहू, क्रीड़ा अधिकारी के आर टण्डन, क्रीड़ा भारती कोरबा के अध्यक्ष बलराम विश्वकर्मा, वरिष्ठ व्यायाम शिक्षिका सावित्री डडसेना, सीएमए किकबॉक्सिंग एकेडमी की संचालिका प्रीती मिश्रा ने शुभकामनाएं दी है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोनः 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com